RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 144 ● भिलाई, गुरुवार 11 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने बीएलओ की सुरक्षा पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में शामिल बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नया नोटिस जारी किया है। यह कदम राज्य में बीएलओ की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और उनके कार्यभार के बढ़ते दबाव के मद्देनजर उठाया गया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तमाम राजनेता इस मुद्दे को लेकर कोर्ट पहुंच रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह मंच उन्हें हाईलाइट करने का माध्यम बन गया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि बीएलओ पर बढ़ती धमकियों और हिंसा के कई मामलों में सिर्फ एक एफआईआर दर्ज है। याचिका में उठाई गई बाकी हिंसा की घटनाएं पुरानी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आम तौर पर चुनाव से पहले पुलिस प्रशासन सीधे चुनाव आयोग के नियंत्रण में नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग के वकील ने भी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग का समर्थन किया।

यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में मार गिराया इनामी डकैत

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में हुई पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार रुपए का इनामी डकैत समयदीन उर्फ सामा को मार गिराया गया। समयदीन मूल रूप से कांधला कस्बे का रहने वाला था, लेकिन लंबे समय से कर्नाटक के तुमकुर में छिपकर रह रहा था। उस पर उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 23 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। समयदीन अक्टूबर में कांधला में मारे गए एक लाख के इनामी नफीस का साथी रह चुका था। नफीस के एनकाउंटर के बाद सामा पंजाब भाग गया था और वहां से लगातार पुलिस की पकड़ से बचता रहा। पुलिस को सूचना मिली कि थानाभवन थाना क्षेत्र के भेसानी के जंगलों में स्थित एक भट्टे पर समयदीन अपने साथियों के साथ डकैती की योजना बना रहा है। मौके पर टीम ने घेराबंदी की, लेकिन जैसे ही पुलिस आगे बढ़ी, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में समयदीन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

अमित शाह का राहुल पर प्रहार

कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं,आपका नेतृत्व है

नयी दिल्ली/ एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है. उन्होंने लोकसभा में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे. शाह ने कहा कि संविधान निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है तथा एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है. उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता. शाह ने कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है. सबसे पहली शर्त है, मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए. ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर क्यों कर रहा है? उसका (निर्वाचन आयोग) दायित्व है, इसलिए कर रहा है.'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाली संस्था है. गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा, ''आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि

को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं.'' शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है. उन्होंने कई चुनावों में विपक्षी दलों की जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली? गृह मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''ईवीएम की दलील गले नहीं उतरती तो अब वोट चोरी का मुद्दा लेकर आए. वोट चोरी का मुद्दा लेकर पूरे बिहार में यात्रा निकाली. फिर भी हार गए. हारने का कारण आपका नेतृत्व है, हारने का कारण ईवीएम और मतदाता सूची नहीं है.'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता एक दिन इनका हिसाब मांगेंगे कि इतने चुनाव कैसे हार गए. उन्होंने कहा कि भाजपा कई चुनाव हारी, लेकिन कभी किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े नहीं किए. शाह ने कहा कि भाजपा को कभी सत्ता विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता है. उन्होंने कहा, ''सत्ता विरोधी लहर का सामना तो उन्हें करना पड़ता है जो जनहित के विरुद्ध काम करते हैं.लेकिन मेरा दिमाग भी चलता है। मैंने भी सोचा कि कुछ गलती नहीं है तो लोग विरोध क्यों करते हैं।

डेढ़ घंटे की सफाई निर्दोष होने का संकेत नहीं-प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा डेढ़ घंटे तक सिर्फ यह सफाई दी गई कि उन्होंने वोट चोरी नहीं की। अगर कोई निर्दोष हो, तो क्या वह इतनी लंबी सफाई देगा? प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बजाय सफाई देने में लगी हुई है। वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि गृहमंत्री विपक्ष द्वारा दो दिनों की चर्चा में उठाए गए सवालों का जवाब देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गोगोई बोले हमने सोचा था गृहमंत्री विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे, लेकिन ऐसा लगा जैसे उन्हें एक स्क्रिप्ट दी गई थी और वे उसी को पढ़ते रहे। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, कल्याण बनर्जी, सुप्रिया सुले और अन्य नेताओं ने जो मुद्दे उठाए।

रोहिंग्या पर ऐसा क्या बोल गए सीजेआई सूर्यकांत

बनने लगे निशाना,समर्थन में आए 44 रिटायर्ड जज

नई दिल्ली/ एजेंसी

सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के 44 पूर्व न्यायाधीशों ने रोहिंग्या प्रवासी मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ चलाए जा रहे सोची-समझी साजिश की निंदा की है। बयान में कहा गया है कि आलोचकों ने एक सामान्य कानूनी प्रश्न को पूर्वाग्रह के आरोपों में तब्दील कर दिया है। हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि सामान्य न्यायिक प्रश्नों को पूर्वाग्रहपूर्ण टिप्पणियों के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत करने का उद्देश्य न्यायपालिका को कमजोर करना और संवैधानिक संस्थानों में जनता के विश्वास को कम करना है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि यद्यपि न्यायिक निर्णयों और अदालत में होने वाली चर्चाओं की निष्पक्ष और जानकारीपूर्ण आलोचना की जा सकती है, लेकिन वर्तमान विवाद इस सीमा को पार कर गया है। न्यायिक कार्यवाहियाँ निष्पक्ष और तर्कपूर्ण आलोचना के अधीन हो सकती हैं और होनी भी चाहिए। हालाँकि, हम जो देख रहे हैं, वह सैद्धांतिक असहमति नहीं है, बल्कि एक नियमित अदालती कार्यवाही को पूर्वाग्रह से प्रेरित कृत्य बताकर न्यायपालिका को अवैध ठहराने का प्रयास है। मुख्य न्यायाधीश पर सबसे बुनियादी कानूनी सवाल पूछने के लिए हमला किया जा रहा है: कानूनन, न्यायालय के समक्ष जिस दर्जे का दावा किया जा रहा है।

खजुराहो में फूड प्वाइजनिंग से 9 की तबीयत बिगड़ी, 3 लोगों की मौत

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित विश्व पर्यटन स्थल खजुराहो में एक रिसॉर्ट में खाना खाने से नौ कर्मचारियों की हालत बिगड़ गई। इन सभी को जिला चिकित्सालय से उपचार के लिए झांसी-ग्वालियर रेफर किया गया है। इनमें से तीन की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार खजुराहो स्थित एक रिसॉर्ट में काम करने वाले कर्मचारियों ने आम दिनों की तरह सोमवार को भोजन किया और इसमें उन्होंने आलू गोभी की सब्जी खाई। कुछ ही देर में खाना खाने के बाद नौ कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने लगी, चक्कर आए और उल्टियां भी हुईं।

चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं

मतदाताओं के अधिकारों की हो रही लूट-भूपेश बघेल

रायपुर/ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का कामकाज पक्षपातपूर्ण है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लाखों वोटों की गिनती का मुद्दा उठाया है। बघेल ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की लूट हो रही है। चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं है, और कई उदाहरणों से यह साबित हो चुका है। पूरा देश इसके खिलाफ खड़ा है, और राहुल गांधी ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया है। लाखों की संख्या में ये फर्जी वोट कहां से आ रहे हैं? ये सभी उदाहरण हैं जिनसे चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के बीच, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को कहा कि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास में गड़बड़ी करने वाला असली दोषी जिला स्तर पर है। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वोटों के हेरफेर के लिए असल में जिम्मेदार लोग प्रशासन का हिस्सा हैं और एक राजनीतिक दल की तरह काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन उसे शिकायतों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

भारतीय एच 1बी आवेदकों की मुश्किलें बढ़ीं

ट्रंप प्रशासन ने 85,000 से ज्यादा वीजा रद्द किए

नई दिल्ली। अमेरिकी वीजा नीतियों में कड़ा रुख: अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने वीजा नीति को सख्त बना दिया है। अब तक जनवरी 2025 से लेकर अब तक, उसने कुल 85,000 से अधिक वीजा रद्द कर दिए हैं। इन रद्दीकरण का बड़ा कारण है बढ़ती निगरानी और सुरक्षा उपाय। साथ ही, नई सोशल मीडिया नीति के तहत अब आवेदकों का सोशल मीडिया अकाउंट भी देखने का निर्देश दिया गया है। भारत समेत कई देशों के एच 1बी वीजा आवेदकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई इंटरव्यू मार्च 2025 तक स्थगित कर दिए गए हैं। अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी दी है कि यदि किसी का अपॉइंटमेंट रद्द हो जाता है, तो नई तारीख पर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अब वीजा इंटरव्यू और फैसले भी आने वाले समय में और टाले जा सकते हैं। एक वकील ने बताया कि अब आवेदकों को अपना सोशल मीडिया प्रोफाइल सार्वजनिक करना होगा।

भगोड़े मालिक लूथरा ब्रदर्स के खिलाफ जारी हो सकता है ब्लू कॉर्नर नोटिस

नई दिल्ली। गोवा नाइट क्लब में आग लगने के मामले में जांच एजेंसियां क्लब के मालिक सौरव लूथरा और गौरव लूथरा की तलाश में जुटी हैं। दोनों भाई देश छोड़कर भाग चुके हैं। ऐसे में अब लूथरा ब्रदर्स के खिलाफ इंटरपोल के जरिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक गोवा नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद रविवार को ही लूथरा ब्रदर्स भारत छोड़ फुकेट भाग गए थे। वहीं गोवा पुलिस की दिल्ली में रेड जारी है। गोवा पुलिस ने लूथरा ब्रदर्स के तीसरे पार्टनर की तलाश तेज कर दी है। अजय गुप्ता लूथरा ब्रदर्स का पार्टनर बताया जा रहा है।

भारत के लिए ऐतिहासिक दिन: केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली शामिल,पीएम मोदी बोले- यह हमारी सभ्यता की आत्मा.....

नई दिल्ली। अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया। यह निर्णय यूनेस्को की एक अहम बैठक के दौरान लिया गया। बैठक दिल्ली के लाल किले में आयोजित की गई थी। इस फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है और देश-विदेश में हर देशवासी इस फैसले से उत्साहित है। यह पहली बार है जब भारत इसकी अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। यह समिति अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के लिए कार्य करती है। इस समिति का 20वां सत्र आठ दिसंबर से 13 दिसंबर तक लाल किले में चल रहा है। जब यूनेस्को ने घोषणा की कि दीपावली को यूनेस्को के त्योहारों की सूची में

शामिल कर दिया गया है, तब वहां मौजूद लोग 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे। वर्तमान में भारत के 15 तत्व यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में दर्ज हैं। इनमें कुम्भ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रपाठ की परंपरा और रामलीला (महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन) शामिल हैं। यूनेस्को के निर्णय पर पीएम मोदी ने कहा, भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धार्मिकता का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें अनंत काल तक मार्गदर्शन करते रहें। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर लिखा, भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन। दीपावली को आधिकारिक तौर पर यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारती की सांस्कृतिक विरासत को अभूतपूर्व वैश्विक मान्यता मिल रही है।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट के अहम फैसले

सरेंडर नक्सलियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेगी विष्णुदेव साय सरकार.....

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय की अध्यक्षता में आज बुधवार को रायपुर स्थित सिविल लाइन मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इसमें कई अहम निर्णय लिये गये। मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध पंजीबद्ध आपराधिक प्रकरणों के निराकरण/वापसी संबंधी प्रक्रिया को अनुमोदित किया है। मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों की समीक्षा एवं परीक्षण के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है। इसके लिए मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दी है। यह समिति परीक्षण उपरांत प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन की ओर से जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्रकरण वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। यह समिति आत्मसमर्पित नक्सली के

अपराधिक प्रकरणों की वापसी के लिए रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय अभिमत सहित प्रस्ताव भेजेगा। शासन द्वारा विधि विभाग का अभिमत प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित प्रकरणों को अंतिम अनुमोदन हेतु मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा। केंद्रीय अधिनियम अथवा केंद्र सरकार से संबंधित प्रकरणों के लिए भारत सरकार से आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी। अन्य प्रकरणों को न्यायालय में लोक अभियोजन अधिकारी के माध्यम से वापसी की प्रक्रिया हेतु जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने राज्य के विभिन्न कानूनों को समयानुकूल और नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 14 अधिनियमों में संशोधन हेतु छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

अदाणी समूह ने किया एलान

2031 तक भारत में 12 लाख करोड़ निवेश करेगा

धनबाद। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में फैले अदाणी समूह की अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना है। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह जानकारी दी। अदाणी ने कहा कि बुनियादी ढांचे, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और बंदरगाहों समेत अन्य क्षेत्रों में बड़ा निवेश किया जाएगा। अडाणी ने पीटीआई-भाषा से कहा, निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हम अगले छह साल में भारत में 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। उद्योगपति ने कहा कि कोरपोरेट भारत और उद्योगपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान के साथ जुड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने भारत की नई स्वतंत्रता बताया है। अदाणी ने कहा, आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए संघर्ष जारी हैज प्रधानमंत्री ने भी इसका आह्वान किया हैज यह एक नई आजादी है।

नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा में मिलन समारोह का आयोजन

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण के बाद राजहरा का विकास करने के लिए दिसंबर 1999 में नगर पालिका परिषद का चुनाव हुआ था और 7 जनवरी 2000 में शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जहां पर दल्ली राजहरा में प्रथम नगर पालिका परिषद का गठन हुआ। उस समय (वर्ष सन् 2000) के नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के प्रथम अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका, अधिकारी, मुख्य इंजीनियर एवं पार्षद गणों का मिलन समारोह बंग समाज के भवन में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. शिरोमणि माथुर थीं। इस मिलन समारोह में प्रमुख रूप से प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष पुरोबी वर्मा, प्रथम नगर पालिका उपाध्यक्ष बिहारी लाल ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी के.डी चंद्राकर, इंजीनियर दिनेश सिंह, एवं लेखपाल के के चंद्राकर उपस्थित थे साथ ही पार्षद गणों में वार्ड क्रमांक वार्ड नंबर 3 के पार्षद लोमस पटेल, वार्ड नंबर 4 से के. ईश्वर राव वार्ड नंबर 5 से चंपा साहू वार्ड नंबर 6 से किरण सिन्हा, वार्ड नंबर 7 से नूतन साहू, वार्ड नंबर 8 से प्रमोद तिवारी, वार्ड नंबर 13 से सुखांतिन ठाकुर, वार्ड नंबर 14 से भगवती साहू, वार्ड नंबर 16 से हीरालाल साहू गुरुजी वार्ड नंबर 17 से मथुरा रात्रि वार्ड नंबर 18 से मुरली रावटे वार्ड नंबर 20 से किरण सिन्हा वार्ड नंबर 21 से रुखसाना बेगम वार्ड नंबर 23 से सुनीता कुर्रे वार्ड नंबर 26 से श्रीनिवास राव वार्ड नंबर 27 से हीरालाल पवार उपस्थित थे। कार्यक्रम में जो पार्षद इस दुनिया में नहीं है उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया जिनमें से हैं। स्व. बलदेव ठाकुर, स्व. नारायण राव (नक्का), स्व. अशोक सपहा, स्व .बिना राम ठाकुर, स्व.राजू डहारे, और स्व.लाल बिहारी पिपरे। कार्यक्रम का संचालन वार्ड नंबर 4 के पार्षद ईश्वर राव ने किया इस कार्यक्रम में सभी ने अपना अपना अनुभव बताया। पुरोबी वर्मा प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि उस समय सभी नए थे अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षद अधिकारी। हम सभी लोग सिर्फ शहर की विकास के बारे में सोचें थे। हम लोगो ने कभी राजनीति नहीं किया। इसलिए शहर का बहुत अच्छा विकास हुआ। हमने कभी पार्टी को नहीं देखा है कि यह कांग्रेस छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा या यह बीजेपी का है। सभी पार्षदों को लेकर अच्छा विकास किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर शिरोमणि माथुर का हमें भरपूर सहयोग मिला। साथ ही बंगाली समाज ने भी हमें निःशुल्क जगह उपलब्ध कराया इन सभी को धन्यवाद..! केडी चंद्राकर नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि आप सभी का पहला अनुभव था। लेकिन मेरा भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनने का पहला अनुभव था। इससे पहले मेरी पोस्टिंग भिलाई में थी। चार-पांच फाइल दिन में आता था मैं जहां पर बैठ जाता वहीं मेरा ऑफिस बन जाता। सबसे पहले मुझे यह दायित्व मिला था तीनों प्रमुख पार्टी छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा, भाजपा और कांग्रेस के बीच सामंजस्य बनाना और सभी को लेकर विकास कार्य करना था। मेरे कार्यकाल में काम कैसे हुआ यह आप लोगों के मूल्यांकन से ही संभव होगा। आप लोगों का सहयोग और आशीर्वाद मिला, राजहरा के बदौलत मुझे अन्य जगह में प्रसिद्धि मिली यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। शिरोमणि माथुर ने कहा कि लोगों ने राजहरा को सजाने में विश्वकर्मा बनकर जो कार्य किया है वह नगर के इतिहास में हमेशा दर्ज रहेगी। प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष प्रथम नगर पालिका अधिकारी प्रथम नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रथम पार्षद के रूप में जो आप लोगों ने शुरुआत की वह एक अमिट धरोहर बनकर रहेगी। पहले बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए हमें चिखलाकसा दौड़ना पड़ता था, दल्ली के लोग परेशान होते थे। नगर पालिका का गठन हुआ आप लोग चुनकर आए। आप लोगों ने जो नगर के विकास में कार्य किया है उसके लिए मैं आप लोगों को मैं विश्वकर्मा की उपाधि देती हूं क्योंकि आप लोगों ने राजहरा के सबसे पहले नेतृत्व करने और संवारने का काम किया है। के डी चंद्राकर और विजय सिंह ने जो मेहनत किया है वह बहुत ही सहारणीय है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पार्षदों को यादगार प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। वहीं नगर पालिका के पूर्व अधिकारी, डॉक्टर शिरोमणि माथुर को शाल एवं फल देकर सम्मानित किया गया।

वन मंत्री केदार कश्यप का विधायक दीपेश साहू ने किया आत्मीय स्वागत

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के ग्राम कुंरा में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप का विधायक दीपेश साहू ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। खाद्य मंत्री दयालदास दास बघेल के आवास में आयोजित इस सौजन्य मुलाकात में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्थानीय ग्रामीण एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने मंत्री केदार कश्यप के साथ बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इनमें ग्रामीण विकास, सड़क एवं आधारभूत संरचना, पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार, वनभूमि संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा, इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी को सशक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे।विधायक साहू ने कहा कि बेमेतरा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और हरित विस्तार को लेकर प्रदेश सरकार की नीतियाँ अत्यंत प्रभावी हैं। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बेमेतरा को हरित और सतत विकास का मॉडल जिला बनाने का संकल्प लिया गया है।

मुलाकात के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने प्रदेश में चल रहे पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी साझा की और कहा कि जनभागीदारी से ही प्रदेश के पर्यावरणीय अभियानों को गति मिलती है। यह चर्चा बेमेतरा जिले में सतत विकास, स्वच्छता, हरियाली विस्तार और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को और मजबूत करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

बेमेतरा में अतिक्रमण पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, नगर पालिका टीम रही सक्रिय

बेमेतरा। शहर में बढ़ते अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। शुरू हुई इस मुहिम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष, समेत प्रमुख अधिकारी और नगरपालिका कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रही। शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैण्ड मार्ग और प्रमुख चौराहों पर अवैध कब्जों को हटाते हुए प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि नगरपालिका सीमा में किसी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान दुकानों के सामने बढ़ाए गए शेड, पक्के प्लैटफॉर्म, अवैध ठेले और सड़क किनारे बनी संरचनाओं को हटाया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि यह कार्रवाई आम नागरिकों की सुविधा और सुगम यातायात के लिए आवश्यक थी। अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी और शहर को स्वच्छ तथा व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। बाजार रोड़ पर दुकान सामने समान रखने पर 11हजार रुपए बाजार रोड़ पर नगर पालिका पुलिस विभाग के द्वारा दुकान के सामने रखें सामान को भी हटाने पहुंचे जहां पर सभी दुकान दारों अपनी समान स्वयं हटाने लगे यहां दुकानदारों से आग्रह किया गया कि दुकान के सामने समान न रखें इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि इस रोड़ पर दुकानदारों ने कहा कि दुकान सामने जो भी समान रखेंगे उन्हें 11हजार रुपए जुर्माना और समान को जप्त किया जायेगा बेमेतरा के नागरिकों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे।

धर्म स्तंभ काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास की मुख्यमंत्री से सौहार्दपूर्ण भेंट

बेमेतरा। संत समाज के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश्वर दास, बिरंची नारायण मंदिर के वैष्णव महंत,धर्म स्तंभ काउंसिल और नवागढ़ राम जानकी मंदिर के महंत सुरेन्द्र दास ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके अवेट सभागार में सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस भेंट में प्रदेश के मठ मंदिरों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई प्रमुख माँगो के विषय में धर्म स्तंभ काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने बताया कि मठ मंदिरों की कृषि उपज की सरकारी खरीद व बोनस के लिए संत समाज ने अनुरोध किया प्रदेश के सभी मठ एवं मंदिरों द्वारा उत्पादित कृषि उपज की सरकारी खरीद की व्यवस्था की जाए,साथ ही उपज पर उपयुक्त बोनस दिए जाने संबंधी निर्देश प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों को जारी किए जाएं।

बस्तर का प्राचीन नाम 'दंडकारण्य' पुन: उल्लेखित किए जाने की मांग

संत समाज ने बस्तर के ऐतिहासिक स्वरूप को सम्मान देने हेतु इसका प्राचीन पवित्र नाम 'दंडकारण्य' पुनः राजपत्र में उल्लिखित किए जाने का आग्रह रखा। महंत सर्वेश्वर दास ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को रतनपुर में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय संत सम्मेलन हेतु संत सम्मेलन में ससम्मान आमंत्रित किया। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने बयान जारी करते हुए कहा कि वैष्णव परम्परा के सभी मठ-मंदिरों में महंतो की नियुक्ति प्राचीन आदिकाल से चली आ रही वैष्णव मर्यादा और परंपरा के अनुसार ही सुनिश्चित की जाए।

मठ मंदिरों के संपत्तियों पर अवैध कब्जा जमाए बैठे माफ्यिाओ पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए कहा संत समाज छत्तीसगढ़ का मार्गदर्शक है। उनके आशीर्वाद से ही प्रदेश के मंगल कार्य पूर्ण होते हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि संतों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी तथा शासन उनकी सभी युक्ति संगत मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेगा। रतनपुर संत सम्मेलन के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा किसंत समाज के सान्निध्य में उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ विजय शंकर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान चलाकर किया जा रहा है कुष्ठ रोगियों की पहचान

दल्लीराजहरा। घर में खुशहाली हो मन में हो विश्वास, कुष्ठ मुक्त जिले में सबका हो विकास थीम को लेकर दल्ली राजहरा नगर में निःशुल्क त्वचा जांच, उपचार एवं परामर्श अभियान के अन्तर्गत 9 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 14 में घर घर जाकर दाग धब्बे की जांच करके कुष्ठ रोगी की खोज कर रहे हैं। स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने अभियान की जानकारी दिया, कुष्ठ के लक्षण को बताया, चमडी पर तेलिया तामिया चमक हो,शरीर के किसी एक भाग में पसीना नहीं आता हो, सूखापन रहता हो, भोजन पकाते समय चमडी में बार बार फफोले आना, जलने का पता ही न लगता हो, पैर के तलवे में घाव हो जाये और भरता न हो, हाथ की ऊंगली की पकड़ कमजोर हो जाये, पैर के पंजा अचानक झूल जाये, कलाई अचानक झूल जाना, नाक ठस हो जाय और खून निकलता हो, हाथ पैर में भोथरापन, इस लक्षण वाले व्यक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिखलाकसा में स्वास्थ्य परीक्षण करवा सकते हैं। अभियान में स्वास्थ्य कर्मचारीगण एवं मितानीनगण सेवा दे रहे हैं। अभियान में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ.विजय ठाकुर का मार्गदर्शन मिल रहा है।

शासन द्वारा निर्धारित समय में धान खरीदी नहीं की जा सकती : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने आरोप लगाया है कि राज्य के भाजपा शासन द्वारा धान खरीदी के लिए जो प्रतिदिन का लिमिट तय किया गया है और निर्धारित अंतिमतिथि धान खरीदी की रखी गई है जितने दिन अवशेष बच गए हैं उसमें संभव ही नहीं की किसानों के धान की खरीदी की जा सके भाजपा की सरकार धान की खरीदी ही नहीं करना चाहती यही कारण है कि वह किसानों के सामने नित नए रोडे अटकाने का काम कर रही है पूर्व विधायक ने आज बेमेतरा जिले के डूडा एवं देवरबीजा सोसाइटियों का दौरा किया जहां किसानों ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया इस दौरान अधिकांश

किसानो का कहना था कि प्रतिदिन सोसाइटी में धान खरीदने की लिमिट बहुत ही काम है बहुत कम दिन बचे हैं अब धान खरीदी के लिए कर्ज लेकर खेती करने वाले किसान को आखिर यह सरकार परेशान क्यों कर रही है ज्यादा अच्छा है कि राज्य सरकार प्रतिदिन धान खरीदी की लिमिट बढ़ाएं और शासन द्वारा निर्धारित धान खरीदी के लिए अंतिम तिथि को भी बढ़ाया जाने की आवश्यकता है सभी सोसाइटी एवं धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था फैली हुई है किसान परेशान है टोकन कट नहीं रहा है भाजपा की यह निकम्मी सरकार सिर्फ किसानों को लूटने का काम की है किसानों से धान की खरीदी ना करना पड़े यही सोच कर आज सभी सोसाइटियों में धान की ट्रांसपोर्टिंग नहीं हो रही है धान जाम पड़ा हुआ है किसानों का बड़ी मुश्किल से टोकन कट रहा है उनके धान तौलने की समस्या आ रही है क्योंकि सोसाइटियों के पास रखने की जगह नहीं है धान का ट्रांसपोर्टिंग बंद है भाजपा सरकार मौन साधकर बैठी हुई है यहां के भाजपा जनप्रतिनिधि अपनी आंखें मूंद कर चिर निद्रा में शयन कर रहे हैं किसानों के धान की तौल में प्रति क्विंटल लगभग 1 किलो की दर से धान की चोरी की जा रही है और यह सब भाजपा नेताओं के इशारे पर किया जा रहा है पूरे प्रदेश पर लगभग यही स्थिति बनी हुई है भाजपा सरकार सिर्फ लूटने का काम कर रही है इस अवसर पर मंगत राम साहू टी आर साहू, मिथलेश वर्मा शशिप्रभा गायकवाड प्रवीण शर्मा, सुरेश दुबे, शिव वर्मा धनंजय साहू विजय देवागन, शोभा साहू गोरेलाल साहू, आरती पटेल, मिथलेश वर्मा प्रभात श्रीवास्तव,टोनू देवागन, राजा साहू, सुदर्शन साहू, छगन साहू, तारण निर्मलकर, फत्ते पटेल, हरि साहू भावसिंह राज प्रदीप साहू,नारायण पटेल, नंदू सलूजा, साधु साहू, कमल देवागन, नोहर देवागन, अनिल दुबे किशुन वर्मा संजय वर्मा घनश्याम देवांगन गौतम पटेल, गौकरण टडन, खिल्लू साहू, मोहित साहू सहित किसान साथी गण उपस्थित रहे

बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ

विधायक दीपेश साहू कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे हुए शामिल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, दुर्ग वन मंडल द्वारा स्थापित बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का औपचारिक शुभारंभ ग्राम नगधा में आयोजित किया गया। प्राकृतिक संपदा से समृद्ध इस क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केदार कश्यप मंत्री (वन एवं जलवायु परिवर्तन) तथा खाद्य मंत्री दयालदास बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने पूरे आयोजन को एक ऐतिहासिक व पर्यावरण-अनुकूल पहल बताया। कार्यक्रम मे विधायक दीपेश साहू ने विशेषज्ञों के साथ विभिन्न जलविधि पक्षियों एवं स्थानीय प्रजातियों का अवलोकन किया। सेंटर में स्थापित प्रदर्शनी ने जैव विविधता, पक्षिविज्ञान और प्राकृतिक आवासों के महत्व को समझने में दर्शकों की मदद की। इसके साथ ही बर्ड सफारी ने उपस्थित जनों को वास्तविक प्राकृतिक आवासों में पक्षियों का सजीव अनुभव प्रदान किया। इस दौरान अपने उद्बोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा गिधवा-परसदा और नगधा प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ स्थापित बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण शिक्षा, जैव विविधता संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने का मजबूत माध्यम बनेगा। यह पहल वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है, जिससे न केवल स्थानीय निवासियों को आर्थिक अवसर मिलेंगे बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान एक प्रकृति-संरक्षक राज्य के रूप में और भी सशक्त होगी। उन्होंने आगे कहा मैं दुर्ग वन मंडल की पूरी टीम, क्षेत्रीय अधिकारियों और ग्रामवासियों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। प्रकृति और जैव विविधता की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, और इस प्रकार के प्रयास पूरे समाज में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या मे जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी कर्मचारी, ग्रामीण, विद्यार्थी, प्रकृति प्रेमी और वन अधिकारी शामिल रहे।

आईपीएल की तर्ज पर जेपीएल का आगाज

जेपीएल 2025 सीजन 3 क्रिकेट स्पर्धा प्रारंभ

फ्लड लाईट में 8 टीमों के मध्य होगा मुकाबला

डोंगरगांव नगर। नगर के खेल मैदान में जेपीएल जैन प्रीमियर लीग के सीजन-3 का भव्य शुभारंभ हुआ। आईपीएल की तर्ज पर प्रारंभ जेपीएल क्रिकेट स्पर्धा के लिए 8 टीमें तय की गई है। सभी टीमों को फ्रेंचाइजी सिस्टम के तहत खरीदी गई है। ऑक्शन में पॉइंट्स के जरिए टीमों का चयन किया गया है। जेपीएल सीजन 3 के शुभारंभ जैन समाज के ओदधिकारियों के आतिथ्य में किया गया। पहले मैच में ऋषभ लायंस और बाउंड्री ब्लास्टर्स के बीच हुआ, जिसमें बाउंड्री ब्लास्टर्स ने 10 रन से सनसनीखेज जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच मोक्ष जैन रहे। दूसरे मैच में प्रशांत पैंथर्स ने धमाकेदार बल्लेबाज़ी और घातक गेंदबाज़ी के दम पर विपिन विक्टर्स को 19 रन से शिकस्त दी। मैन ऑफ द मैच सक्षम जैन लल्ली रहे। तीसरे मैच में सानिध्य समशेर ने संतोष ज्वेलर्स को 5 विकेट से पटखनी दी। मैन ऑफ द मैच शुभम जैन लल्ली रहे। कमेंट्री जयद जैन ने की। अम्पायरिंग लक्ष्मण जी व राजपूत ने की।

इन फ्रेंचाइजी टीमों के मध्य मैच

जेपीएल में 8 क्रिकेट टीमें प्रशांत पैंथर (मालिक प्रशांत जैन स्वप्निल), संतोष ज्वेलर्स (मालिक सुयंक जैन), बाउंड्री ब्लास्टर्स (मालिक आशीष जैन 'आशु'), एलआईसी लीजेंड्स (मालिक संदीप जैन), स्वस्तिक रॉयल्स (मालिक नवीन जैन), ऋषभ लायंस (मालिक सौरभ जैन), सानिध्य समशेर (मालिक सजल जैन) और विपिन विक्टर्स (मालिक विपिन जैन) शामिल की गई हैं।

गंभीर लापरवाही पर जिला सीईओ ने किया ग्राम पंचायत गर्रा के सचिव को निलंबित

बेमेतरा। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के सचिव नरेश वर्मा को पदस्थ दायित्वों के निर्वहन में लगातार लापरवाही और उदासीनता बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जनपद पंचायत साजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा भेजी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गर्र के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर 29 अगस्त 2025 को निरीक्षण किया गया, जिसमें पंचायत कार्यालय बंद पाया गया। इसके अलावा 29 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना एवं छ.ग. राज्य ग्रामीण क्षेत्र विकास प्राधिकरण योजना के तहत अनुमोदित कार्यों की समीक्षा बैठक में भी सचिव अनुपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि निरस्त कार्यों की राशि जमा नहीं करने के संबंध में सचिव को नोटिस जारी किया गया था, जिसका उत्तर आज तक प्रस्तुत नहीं किया गया। आदेशों और निर्देशों की लगातार अवहेलना को गंभीर मानते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 के उपनियम 4(1) के तहत प्रभारी जिला पंचायत सीईओ प्रकाश भारद्वाज ने, सचिव नरेश वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत साजा निर्धारित किया गया है। साथ ही, नियमों के अनुसार उन्हें निलंबन भत्ता प्राप्त होगा। उनके स्थान पर लीलूराम पटेल, सचिव ग्राम पंचायत रमपुरा को ग्राम पंचायत गर्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

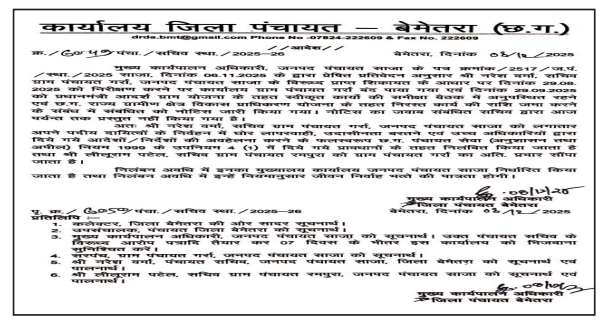

कार्यालय जिला पंचायत — बेमेतरा (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

शांति व्यवस्था भंग करने वाले पांच लोगों पर कार्यवाही

रायपुर। जिले की थाना सोमनी पुलिस ने थानाक्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा के मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के पर्यवेक्षण में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक अरूण कुमार नामदेव के नेतृत्व में ग्राम देवादा में पुलिस में रिपोर्ट करने की बात से आक्रोशित होकर शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने की नियत से प्रार्थी से वाद विवाद कर रहे पांचा आरोपी रवि गोसाई पिता राजमल गोसाई उम्र 24 वर्ष, राज वैष्णव पिता गुरूवचन दास उम्र 22 वर्ष, रवि कुकरेजा पिता स्व0 लीलाधर कुकरेजा उम्र 40 वर्ष, प्रकाश मणी पिता गुरू दयाल उम्र 41 वर्ष तथा टिमन उर्फ ऋषि नेताम पिता लोकेश प्रसाद उम्र 23 वर्ष सभी निवासी ग्राम मुड़ीपार थाना सोमनी जिला राजनांदगांव को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर अनावेदको को प्रतिबंधित करने पृथक से धारा 126,135(3) बीएनएसएस का इस्तगाशा तैयार कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट राजनांदगांव के न्यायालय पेश कर आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया है।

केंद्र व राज्य सरकार के बीच परस्पर विरोधाभास, धान बेचने भटक रहे किसान

रायपुर। पूर्व विधायक रेखचंद जैन व शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने सोमवार को धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जमकर गड़बड़ी पकड़ी। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा शासन में किसानों से धान खरीदी न होने और उनके भटकने का आरोप लगाया है। नेताओं ने पाया कि केंद्रों में किसानों से जमकर ठगी की जा रही है। सरगीपाल में पाया कि किसानों से तौल की राशि ली जा रही है। किसानों से प्रति क्विंटल कहीं 2 तो कहीं ढाई किलो अधिक धान लेना भी पाया गया। धान खरीदी के मामले में केंद्र व राज्य सरकार के बीच परस्पर विरोधाभास भी नजर आता है। अनावारी रिपोर्ट को जहां केंद्र नहीं मान रही है वहीं केंद्र सरकार ने एग्रीस्टेक नाम से अलग पोर्टल बना रखा है। किसान सम्मान निधि से किसानों को वंचित किए जाने की साजिश रची जा रही है। वहीं कांग्रेस शासन में जिस वनाधिकार पट्टे पर धान की खरीदी की जा रही थी उससे भी भाजपा इंकार कर रही है। वन भूमि पट्टा को मान्यता भाजपा नहीं दे रही है। कांग्रेस नेता नानगूर, जमावाड़ा, हाटपदमूर, बड़ेमुरमा, पुसपाल व कुरंदी समेत अन्य पंचायतों तथा गाँवों में पहुंचे थे।

अवैध खनन, परिवहन और बिना अनुमति के स्टॉक पर सख्ती

रायपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान खनिजों की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं निगरानी के परिणामस्वरूप कुल 231 प्रकरण दर्ज किए गए। इन प्रकरणों में अवैध परिवहन, अवैध उत्खनन एवं अवैध भण्डारण शामिल रहे। विभाग ने ऐसे मामलों में 60 लाख से ज्यादा की राशि पेनाल्टी के तौर पर वसूल की है। उपसंचालक खनिज प्रमोद नायक ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत से 7 महीनों में अवैध परिवहन के कुल 202 प्रकरण दर्ज किए गए। इन प्रकरणों में खनिजों के बिना अनुमति, बिना रॉयल्टी भुगतान तथा नियमानुसार दस्तावेज न रखने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। इस श्रेणी में कुल 29,14,097 रुपए का अर्थदण्ड आरोपित किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध उत्खनन के कुल 20 प्रकरण दर्ज किए गए। इन मामलों में खनिजों का अनाधिकृत रूप से खनन एवं प्राकृतिक संसाधनों को क्षति पहुँचाने जैसी गतिविधियाँ पाई गईं। कार्रवाई के तहत 8,54,203 रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया। उपसंचालक ने जानकारी दी कि बिना अनुमति खनिजों के भण्डारण एवं स्टॉक छुपाने के 9 प्रकरन बनाए गए।

जिले में संचालित विभिन्न नवाचारों की समीक्षा बैठक आयोजित, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय सभागार में जिले में चल रहे विभिन्न महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं एवं नवाचारों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, संस्कृति, पर्यटन एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में प्रोजेक्ट दक्ष, हर घर मुनगा, मिशन उत्कर्ष, प्रोजेक्ट घंटी, प्रोजेक्ट -शेप, प्रोजेक्ट अलर्ट और प्रोजेक्ट राहत, प्रोजेक्ट विजय भव, पढ़ेगा रायपुर, बढ़ेगा रायपुर, कैरियर गुरु, प्रोजेक्ट दिव्य धुन, प्रोजेक्ट अनुभव, प्रोजेक्ट श्रेष्ठ, प्रोजेक्ट क्लीन इत्यादि के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सभी नवाचारों के क्रियान्वयन में गति लाने, समय-सीमा आधारित मॉनिटरिंग, नियमित फील्ड समीक्षा तथा लाभार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने 2.97 करोड़ रुपए लागत के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मिली मजबूती..

- मोहगांव से कोको तक 4.30 किमी लंबे सड़क निर्माण से हजारों ग्रामवासी होंगे लाभान्वित
- उप मुख्यमंत्री ने की स्कूल भवन, सायकल स्टैंड, समतलीकरण, सीसी रोड, मुरमीकरण, मंच निर्माण की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के सतत और दृढ़ प्रयासों का परिणाम है कि कबीरधाम जिला आज शहर से लेकर गाँव तक चौमुखी विकास कर रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने आज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम कोको में 2 करोड़ 97 लाख रुपए की लागत से 4.30 किमी लंबे मोहगांवछांटा कोको सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह सड़क केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में आने वाले आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगी। वर्षों से सड़क संपर्क के अभाव में रहे ग्रामीणों के लिए यह निर्माण नई उम्मीद, नया अवसर और नया भविष्य लेकर आएगा। ग्रामवासियों ने सड़क निर्माण के लिए उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया था, जिसे उन्होंने प्राथमिकता देते हुए मंजूरी प्रदान की। आज भूमि पूजन के साथ ही इस बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है, जिससे पूरा क्षेत्र विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएँ भी कीं। उन्होंने हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की घोषणा करते हुए स्कूल परिसर के समतलीकरण के लिए 3.50 लाख रुपए, सी सी रोड के लिए 2.60 लाख रुपए, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु मंच निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए, सहकारी समिति पहुंच मार्ग के लिए सीसी रोड निर्माण, छांटाङ्कोको मार्ग के बीच मुरमीकरण के लिए 5 लाख रुपए, विद्यार्थियों की सुविधा के लिए साइकिल स्टैंड निर्माण की घोषणा की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है और यह परियोजना स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इस सड़क के बनने से मोहगांव छांटा कोको गांव के हजारों ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा। आवागमन में सुविधा होगी। बेहतर सड़कों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और व्यापार के नए अवसर साकार होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार गांवों में बेहतर सड़कें और सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने आगे कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन में सुविधा होगी।

अवैध रूप से संचित धान पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई....

- कांसाबेल क्षेत्र में तीन स्थानों से कुल 1,480 क्विंटल धान जप्त

रायपुर। संवाददाता

जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान भंडारण, अवैध परिवहन तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्व एवं खाद्य विभाग ने तहसील कांसाबेल क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 1,480 क्विंटल (3,700 बोरी) अवैध धान जप्त कर प्रशासनिक कब्जे में लिया गया। पहली कार्रवाई में ग्राम नारियलडांड में लालचंद के मकान में पंकज पैकरा द्वारा अवैध रूप से संचित 300 बोरी (120 क्विंटल) धान जप्त किया गया। धान की गिनती एवं सत्यापन के बाद इसे नियमानुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति चेटबा के सुपुर्द किया गया। दूसरी कार्रवाई में ग्राम चेटबा में राजस्व विभाग की टीम ने शेष कुमार साहू के फार्म हाउस में अवैध रूप से रखे गए 400 बोरी (160 क्विंटल) धान को जप्त किया। उक्त धान को भी नियमों के अनुसार सहकारी समिति चेटबा के सुपुर्द किया गया। तीसरी और सबसे बड़ी कार्रवाई में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चेटबा में ही कृषक लकेश्वर साय के घर पर दबिश दी, जहाँ से लगभग 1000 बोरी (400 क्विंटल) अवैध धान बरामद किया गया। मौके पर धान की गिनती कर पंचनामा तैयार किया गया तथा संपूर्ण धान को सहकारी समिति चेटबा को सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पारदर्शिता एवं किसान हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी अभियान चला रहा है। धान का अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए राजस्व, खाद्य, पुलिस, सहकारिता और मार्कफेड विभाग की संयुक्त टीमें मैदानी स्तर पर सघन निरीक्षण कर रही हैं।

राजधानी में जमीन दरों के रेट बढ़ाने के विरोध में धरना दिया

- बिल्डर्स चैंबर्स कैट तथा कांग्रेसजन एक मंच पर आए
- भाजपा शासन पर बड़े नेताओं की जमीन बचाने का आरोप

रायपुर। संवाददाता

छग शासन द्वारा जमीन दरों में बढ़ोत्तरी के लिए नई गाइडलाइन जारी किये जाने के विरोध में आज राजधानी में आम लोगों बिल्डरों तथा चैंबर से जुड़े नेताओं में भारी रोष देखा गया। राजीव गांधी चौक में धरना दिया गया जिसे कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया है। धरना स्थल में सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। प्रदेश सरकार द्वारा जमीन की दरों में बढ़ोत्तरी के लिए नई गाइड लाइन जारी करने से पूरे प्रदेश में इस समय लोगों में भारी रोष है। भिलाई , दुर्ग बिलासपुर में भी आमलोगों द्वारा जमकर विरोध किया गया। आज राजधानी में आम लोगों बिल्डरों तथा कांग्रेस के नेताओं ने इस आंदोलन को समर्थन देकर उग्र कर दिया है। कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने आरोप लगाया कि राज्य में जमीन की नई गाइड लाइन जारी करने से आम लोग परेशान है तथा महंगी दरों पर जमीन होने से जमीन के भाव आसमान छू रहे हैं। आम लोगों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा व्यावसायिक स्थानों तथा भाजपा नेताओं की जहां जमीन है वहां पर छोड़कर अन्य स्थानों पर जमीन का रेट बढ़ा दिया है। कई स्थानों पर बाजार मूल्य से ज्यादा सरकारी रेट हो गया है। जिसके कारण असमंजस की स्थिति निर्मित हो गई है। कैट और चैंबर ने भी इसे अपना समर्थन दे दिया है।

उप मुख्यमंत्री और संसदीय मंत्री ने नया रायपुर स्थित नए विधानसभा भवन का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ में बड़े निवेश की तैयारियाँ तेज़

बेंगलुरु में उद्योगपतियों संग सांसद बृजमोहन की महत्त्वपूर्ण बैठक.....

रायपुर। संवाददाता

बेंगलुरु प्रवास के दौरान रायपुर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कर्नाटक के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ विस्तृत और सार्थक बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापना को बढ़ावा देना रहा।इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुख उद्योगपति अशोक हिसारिया, जय प्रकाश गुप्ता, चंदू भाई, राम सारिया, प्रभात किशनपुरीया, सुभाष अग्रवाल तथा मुरारीलाल सरावगी विशेष रूप से उपस्थित रहे और छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर गहन चर्चा की।सांसद अग्रवाल ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ देश के सबसे तेज़ी से उभरते औद्योगिक राज्यों में से एक है। यहाँ उद्योग लगाने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ, नीतिगत समर्थन, अधोसंरचना और निवेशकों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह सुनिश्चित किया जा रहा है।उन्होंने यह भी बताया कि, उद्योग स्थापना हेतु सिंगल विंडो सिस्टम के तहत सरल और तेज़ स्वीकृतियाँ, सस्ती एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति, उत्तम लॉजिस्टिक्स और क्टिविटी,उद्योगों के लिए भूमि उपलब्धता, कौशलयुक्त मानव संसाधन तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की औद्योगिक विकास समर्थक नीतियाँ छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए एक आदर्श राज्य बनाती हैं।

सौर ऊर्जा से अनिल के घर में हुआ उजाला, भारी भरकम बिजली बिल से मिली राहत

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना आज आम जनजीवन के लिए न सिर्फआर्थिक राहत का माध्यम बन रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभा रही है। रायपुर जिले के अग्रोहा कॉलोनी निवासी श्रीमती रिचा पांडेय की कहानी प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना की सफलता को बयां करती है। श्रीमती पांडेय ने अगस्त 2025 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 और राज्य सरकार से 30,000 रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि योजना की जानकारी उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। इसके बाद उन्होंने स्वयं ऑनलाइन आवेदन किया तथा बिना किसी भागदौड़ और परेशानी के छत पर पैनल लग गया। उन्होंने बताया कि पहले जहाँ हर महीने 5000-6000 रूपये तक का बिजली बिल आता था, वहीं अब पिछले तीन महीनों में उनका बिजली बिल महज 1500 से 2000 रुपए आता है। यह योजना सिर्फपैसों की बचत नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत लगेगा विशेष कृषि शिविर

- रबी क्षेत्र विस्तार एवं दलहन-तिलहन उत्पादकता बढ़ाने कृषि विभाग करेगा जागरूकता शिविरों का आयोजन

रायपुर। प्रधानमंत्री धन.धान्य कृषि योजना 2025.26 से शुरू की गई एक सरकारी पहल है, जिसका लक्ष्य कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों में किसानों की आय और कृषि उत्पादकता बढ़ाना है, जिसके लिए 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं को समन्वित किया गया है। इसमें सिंचाई, भंडारण, आसान ऋण तथा फसल विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और देश को दालों सहित विभिन्न फसलों में आत्मनिर्भर बनाने के मिशन का समर्थन किया जा सके। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के अंतर्गत कृषकों को रबी फसल की आधुनिक तकनीक से अवगत कराने तथा मत्स्यपालन, पशुपालन सहित अन्य कृषि-संबद्ध व्यवसायों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक समिति में विशेष प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। किसानों आधुनिक खेती से जोडकर लाभान्वित करना है शिविरों में जशपुर जिले के ऐसे उत्कृष्ट एवं प्रगतिशील कृषकों को प्रशिक्षक के रूप में जोड़ा गया है, जो आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर खेती में अधिक उत्पादन एवं बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। ये प्रशिक्षक कृषक अपने अनुभव, कठिनाईयों तथा विभागीय योजनाओं से प्राप्त लाभों को अन्य कृषकों के साथ साझा करेंगे।

बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ

गिधवा-परसदा बनेगा देश का प्रमुख पक्षी संरक्षण केंद्र-कश्यप

- 270 से अधिक पक्षी प्रजातियों को मिलेगा सुरक्षित प्राकृतिक आवास

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के प्रसिद्ध प्रवासी पक्षी आश्रयस्थल गिधवा-परसदा क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हजारों ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक क्षण को विशेष बना दिया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि गिधवा-परसदा पक्षियों के संवर्धन, संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में देश में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएगा। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि इस क्षेत्र में 270 से अधिक प्रजातियों के विदेशी व स्वदेशी पक्षी नियमित रूप से प्रवास करते हैं और स्थानीय जैव विविधता को समृद्ध बनाते हैं। दशकों से यह क्षेत्र साइबेरिया, यूरोप और मध्य एशिया से आए पक्षियों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक आवास रहा है। उन्होंने कहा कि बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटक अब पक्षियों के जीवन, व्यवहार, प्रवास चक्र और जैव विविधता को वैज्ञानिक दृष्टि से समझ सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्रवासियों की संवेदनशीलता और भावनात्मक जुड़ाव के कारण यह क्षेत्र देश का अनोखा वेटलैंड बन सका है। आने वाले समय में यह क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा बर्ड-वॉचिंग हब बनेगा। श्री कश्यप ने कहा कि बर्ड सफारी के संचालन से स्थानीय युवाओं को होम-स्टे, गाइडिंग, बोटिंग, ईको-टूरिज्म, लोकल उत्पाद बिक्री और ट्रांसपोर्ट सेवाओं के

माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि वेटलैंड क्षेत्र को और विकसित करने हेतु सोलर लाइटिंग, बर्ड वॉचिंग टॉवर, सूचना केंद्र, जैवविविधता अध्ययन केंद्र, पार्किंग स्थल और पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पक्षियों और जीव-जंतुओं को हमेशा पूजनीय स्थान प्राप्त रहा है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक युग तक पक्षियों को शुभता, समृद्धि और पर्यावरण संतुलन का प्रतीक माना गया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे जैव विविधता के संरक्षण में जिम्मेदार भूमिका निभाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि वे स्वयं इस क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और बचपन से यहां पक्षियों के विचरण को देखते आए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने वर्षों पहले संकल्प लिया था कि किसी भी प्रवासी पक्षी को क्षति नहीं पहुंचानी है। इसी संकल्प ने गिधवा-परसदा को पक्षी विहार के रूप में विकसित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों के लिए गौरव और उत्साह का पर्व है। यह स्थल अब देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करेगा। कार्यक्रम को विधायक श्री ईश्वर साहू और कलेक्टर श्री रनवीर शर्मा ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। गिधवा-परसदा वेटलैंड का भूगोल प्राकृतिक जलाशयों, विशाल आर्द्रभूमियों तथा शांत वातावरण से समृद्ध है, जो प्रवासी पक्षियों हेतु आदर्श माना जाता है।

संपादकीय

विमान सेवाओं की गुणवत्ता में अप्रत्याशित रूप से आई गिरावट

देश की सबसे बड़ी विमान सेवा मानी जाने वाली इंडिगो एअरलाइंस में परिचालन से संबंधित अड़चन शुक्रवार को भी जारी थी और इसकी 1100 सौ से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया। विमान यात्रा को सबसे सुव्यवस्थित सेवा के तौर पर जाना जाता है, जहां समय का पूरा ध्यान रखने के साथ-साथ लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाना एक सामान्य बात रही है। सभी विमान कंपनियां बेहतरीन सेवा देने के दावे के साथ लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। मगर पिछले कुछ समय से हवाई जहाज से कहीं आने-जाने की राह में कई स्तरों पर जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उससे पता चलता है कि विमान सेवाओं की गुणवत्ता में अप्रत्याशित रूप से तेज गिरावट आई है। इसका खमियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी विमान सेवा मानी जाने वाली इंडिगो एअरलाइंस में परिचालन से संबंधित अड़चन गुरुवार को भी जारी रही और इसकी तीन सौ से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जो विमान अपने गंतव्य के लिए उड़ान भर सके, उनमें भी निर्धारित समय से देरी हुई। पिछले महीने इंडिगो की बारह सौ से ज्यादा उड़ानों के रद्द होने की खबर आई थी। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतनी ज्यादा उड़ानें रद्द होने की वजह से हजारों यात्रियों के सामने किस तरह की परेशानी पैदा हुई होगी। कायदे से होना यह चाहिए था कि इतने बड़े पैमाने पर अगर किसी भी वजह से समस्या आ रही है, तो यात्रियों को समय रहते इसकी सूचना दी जाए। अगर लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने की कोई भी सूरत निकल सके, तो इसे सुनिश्चित करना विमान कंपनी की जिम्मेदारी है। मगर ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इंडिगो से कहीं जाने का टिकट लिया, उनकी न केवल उड़ानें रद्द हुई, बल्कि उनके लिए किसी तरह का वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया। इस अड़चन के बाद कंपनी ने छोटी-मोटी तकनीकी गड़बड़ी, उड़ान समय में बदलाव, खराब मौसम, बढ़ती भीड़ और उड़ान ड्यूटी समय सीमा से संबंधित नए नियमों के लागू होने जैसे कारण बताए। मगर जितनी बड़ी तादाद में उड़ान रद्द या उनमें देरी हुई, क्या यह प्रबंधन और व्यवस्था में लापरवाही से लेकर सेवा में कमी का नतीजा नहीं है? यह छिपा नहीं है कि विमान का मनमाना किराया या अलग-अलग तरीके से ज्यादा पैसे वसूलने में कंपनियां कोई संकोच नहीं करती हैं।

नए भारत को सुरक्षा एवं संवेदना वाली नई पुलिस चाहिए

भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और जनविश्वास की संरक्षक है। परंतु विडम्बना यह है कि आम जनता के मानस में पुलिस की छवि आज भी कठोरता, डर, भ्रष्टाचार और दमन से जुड़ी हुई दिखाई देती है।

(ललित गर्ग)

भारतीय लोकतंत्र में पुलिस व्यवस्था कानून-व्यवस्था की आधारभूत धुरी है, परंतु आम नागरिक के मानस में पुलिस की छवि अभी भी कठोरता, डर और दमन से जुड़ी हुई है। इसे केवल अधिकार जताने वाली शक्ति समझा गया है, संवेदनशीलता, जवाबदेही और मित्र भाव से नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में इसी जटिलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस की छवि तभी बदलेगी जब व्यवस्था अधिक प्रोफेशनल, अधिक उत्तरदायी और अधिक मानवीय बने। विकसित भारत की दृष्टि में पुलिस का पुनर्गठन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि समाज में भरोसे को पुनर्जीवित करने का कार्य भी है। पुलिस के पास अपराध नियंत्रण, आतंकवाद-निरोध, भीड़ प्रबंधन, आपदा राहत, नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान, चुनाव ड्यूटी और वीआईपी सुरक्षा जैसी असंख्य जिम्मेदारियां हैं, लेकिन संसाधन सीमित हैं, कार्य-भार भारी और राजनीतिक दबाव व्यापक हैं। कुछ अधिकारियों के भ्रष्ट या कठोर व्यवहार ने संपूर्ण पुलिस व्यवस्था की छवि पर चोट पहुंचाई है, इसलिए जनता पुलिस के निकट आने पर भी भय का अनुभव करती है। प्रधानमंत्री ने इस स्थिति बदलने की स्पष्ट आवश्यकता जताई और युवाओं में पुलिस की सकारात्मक छवि निर्माण पर बल दिया ताकि आने वाली पीढ़ी पुलिस को मित्र और संरक्षणकर्ता के रूप में पहचाने।

भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और जनविश्वास की संरक्षक है। परंतु विडम्बना यह है कि आम जनता के मानस में पुलिस की छवि आज भी कठोरता, डर, भ्रष्टाचार और दमन से जुड़ी हुई दिखाई देती है। समाज पुलिस को 'डंडे' और 'खाकी' के प्रतीक रूप में पहचानता है, संवेदनशीलता और जवाबदेही के दृष्टिकोण से नहीं। यही कारण है कि पुलिस सुधार दशकों से विमर्श का विषय तो रहा, लेकिन कभी जनांदोलन नहीं बन सका, न चुनावी मुद्दा बना और न ही गंभीर राजनीतिक प्राथमिकता। इसलिये मोदी ने शहरी पुलिसिंग को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने, विश्वविद्यालयों को फोरेंसिक अध्ययन के लिए प्रेरित करने और नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा नागरिक सुरक्षा संहिता पर व्यापक जनजागरूकता चलाने की जरूरत रेखांकित की। उनका यह दृष्टिकोण पुलिस को प्रतिक्रियाशील संस्था से आगे बढ़ाकर बुद्धिमान, वैज्ञानिक, पूर्वानुमान आधारित और विश्वसनीय संस्था बनाने की दिशा है।

प्रधानमंत्री की दृष्टि का महत्वपूर्ण आयाम यह है कि पुलिस केवल कानून लागू करने वाली मशीन नहीं बल्कि समाज का सहभागी तंत्र है। यदि पुलिस व्यवहार में संवेदनशीलता, संवाद, पारदर्शिता और विनम्रता विकसित करे तो जनविश्वास स्वतः बढ़ेगा। नए कानूनों के बारे में जन-जागरूकता अभियान इसी सोच का हिस्सा है, क्योंकि कानून तभी प्रभावी होते हैं जब जनता उन्हें समझती और स्वीकार करती है। अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए पुलिस का प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, इंटेलिजेंस नेटवर्क और फोरेंसिक क्षमता मजबूत होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने नेटग्रिड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एकीकृत डेटाबेस के प्रभावी उपयोग पर जोर देकर पुलिसिंग को डेटा आधारित, कृत्रिम बुद्धिमता-एआई और वैज्ञानिक सोच से जोड़ने की दिशा दिखाई है। उन्होंने प्रतिबंधित संगठनों की सतत निगरानी, नशीली दवाओं के विरुद्ध बहुस्तरीय रणनीति, कट्टरपंथ से प्रभावित क्षेत्रों में विकास आधारित समाधान, तटीय सुरक्षा के नवाचार, तथा प्राकृतिक आपदाओं में सक्रिय पुलिस नेतृत्व की आवश्यकता भी व्यक्त की। यह सब उस व्यापक सोच का हिस्सा है जिसमें पुलिस केवल अपराध से लड़ने वाली व्यवस्था नहीं बल्कि विकास की रणनीतिक सहभागी शक्ति है।

परंतु पुलिस सुधार केवल निर्देशों से संभव नहीं; इसके लिए संतुलित एवं अत्याधुनिक ढांचे की जरूरत है जिसमें प्रशिक्षण, संसाधन, मनोबल, आचार-नीति, राजनीतिक निर्भरताओं से मुक्ति और सामाजिक सम्मान शामिल हों। आलोचना जितनी महत्वपूर्ण है, पुलिस के संघर्षों को समझना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि इसी दोतरफा समझ से सुधार का रास्ता निकलता है। प्रधानमंत्री की अपेक्षा है कि पुलिस नेतृत्व खुद को नए भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार करे, लक्ष्य स्पष्ट करे और वह व्यवस्था बनाए जिसमें नागरिक पुलिस को भय से नहीं बल्कि विश्वास से देखें। विकसित भारत की यात्रा में सुरक्षा, न्यायबोध और अनुशासन की संरचना को सशक्त बनाने के लिए पुलिस का आधुनिक, मानवीय और विश्वसनीय स्वरूप अनिवार्य है। यह सुधार केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और चरित्र का परिवर्तन है। तभी खाकी का सम्मान लौटेगा, जनता का विश्वास मजबूत होगा और पुलिस व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की प्रहरी के रूप में पहचानी जाएगी।

प्रधानमंत्री के ताजा विचारों ने स्पष्ट किया है कि पुलिस की छवि सुधारने का अर्थ केवल कठोरता घटाना नहीं, बल्कि उसे प्रोफेशनल, संवेदनशील और जवाबदेह बनाना है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस व्यवस्था के लिए भय का नहीं, विश्वास और सुरक्षा का केंद्र बने। शहरी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, पर्यटक पुलिस को पुनर्जीवित करने और नए आपराधिक कानूनों पर जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि इससे पुलिस 'डंडे की ताकत' से आगे बढ़कर 'मदद की शक्ति' बनेगी। यदि नागरिक को यह अनुभव होने लगे कि पुलिस मदद के लिए तत्पर है, उसके अधिकारों का सम्मान करती है और कानून का निष्पक्ष पालन करती है, तो खाकी वर्दी का अर्थ केवल अनुशासन नहीं बल्कि विश्वास, अभय और सहारा प्रतीत होगा। यही वह परिवर्तन है जो विकसित भारत की सोच में निहित है।

अंग्रेज़ी शासकों ने अपने शासन को थोपने, जनता को नियंत्रित करने और भय-आधारित प्रशासन चलाने हेतु पुलिस तंत्र की रचना की। 1860 के कानून के आधार पर स्थापित भारतीय पुलिस का मूल चरित्र दंडात्मक, शासक-केन्द्रित और कठोर शक्ति-प्रयोग वाला था। स्वतंत्रता के बाद भी इस व्यवस्था में सार्थक बदलाव न होना एक विडंबना है। आज़ाद भारत ने लोकतंत्र अपनाया पर पुलिस ढांचे ने अभी तक औपनिवेशिक सोच को पूरी तरह त्यागा नहीं। परिणामतः पुलिस जनसेवा की बजाय सत्ता को बचाने और भय पैदा करने का उपकरण बनी रह गई। आज आवश्यकता है कि भारत का पुलिस तंत्र भारत के मूल्यों के अनुरूप पुनर्निर्मित हो। विकसित भारत को विकसित सोच वाली पुलिस चाहिए जो नागरिकों के साथ विश्वास-आधारित संबंध बनाए, दमन नहीं बल्कि संरक्षण दे, और कानून को लागू करने में नैतिकता, पारदर्शिता और मानवता को प्राथमिकता दे। ऐसी पुलिस व्यवस्था ही सच्चे अर्थों में लोकतंत्र की प्रहरी बन सकती है और भारत की सभ्यता-संस्कारों का प्रतिबिंब भी।

इसी संदर्भ में पुलिस थानों के नामकरण की सोच पर पुनर्विचार भी आवश्यक है। 'थाना' शब्द में दमन और भय की छाया रही है, जबकि लोकतांत्रिक समाज में वह नागरिक सहारा का स्थान होना चाहिए। यदि उन्हें 'सुरक्षा केंद्र', 'नागरिक सहायता केंद्र', 'पुलिस सेवा भवन', 'अभय केंद्र' या 'सहयोग प्रहरी केंद्र' जैसे नाम दिए जाएं तो नागरिक के मानस में पुलिस की भूमिका का अर्थ बदलने लगेगा। नाम केवल शब्द नहीं होता, वह भाव, चरित्र और अनुभव निर्मित करता है। इस सकारात्मक नामकरण से पुलिस केन्द्र केवल शिकायत या धमकाने का प्रतीक नहीं बल्कि सहायता, समस्या-समाधान, विश्वास और न्याय का केन्द्र बन सकता है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन, यदि व्यवहार सुधार के साथ जुड़ जाए, तो पुलिस के प्रति जनता में सम्मान, निर्भयता और साझेदारी की भावना और अधिक मजबूत होगी और यही वह दिशा है जिसे विकसित भारत की सुरक्षा, नीतिगत सोच और संवेदनशील शासन का स्वरूप कह सकते हैं।

इसके विपरीत आज की वास्तविकता यह है कि जब पुलिस दरवाजे पर आती है, तो नागरिक घबराता है-'कहीं फंस न जाऊं।' यह भय उस विश्वासहीनता का परिणाम है जिसे बदलना आवश्यक है। अपराध की प्रकृति बदल रही है, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, आतंकवाद, मानव तस्करी, ड्रग नेटवर्क-इनसे मुकाबले के लिए बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक और इंटेलिजेंस चाहिए। लोकतंत्र में पुलिस सबसे प्रत्यक्ष शासन-कर्म है। जनता रोज उसे देखती, झेलती और समझती है। खराब अनुभव सीधे शासन के प्रति अविश्वास पैदा करते हैं। विकसित भारत 2047 की आकांक्षाओं में पुलिस वह संरचना है जो सुरक्षा, अनुशासन, न्याय और सामाजिक साझेदारी को सुनिश्चित करती है। पुलिस की वर्दी के भीतर मनुष्य, संवेदना और विवेक दिखाई दे, तभी खाकी का सम्मान लौटेगा और जनता का विश्वास सुदृढ़ होगा। नए भारत के निर्माण में पुलिस का यह रूपांतरण एक निर्णायक धुरी होगा, जहां सुरक्षा और संवेदनशीलता साथ-साथ चलें, और जहां कानून केवल भय नहीं बल्कि न्याय और विश्वास का प्रतीक बने। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता भारत

(नरेंद्र मोदी)

इसी साल अगस्त में तमिलनाडु के किसानों का एक समूह मुझसे मिलने आया। बातचीत के दौरान उन किसानों ने खेती में उत्पादकता व निरंतरता बढ़ाने के लिए वे कैसे नई-नई तकनीक अपना रहे हैं, इसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर आयोजित एक सम्मेलन का मुझे न्योता दिया। न्योता स्वीकार करते हुए मैंने उनसे वादा किया कि मैं अवश्य आपके बीच आऊंगा। इसलिए, 19 नवंबर को मैं 'साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025' में शामिल होने के लिए मनोरम शहर कोयंबटूर में था। एक ऐसा शहर, जिसे एमएसएमई की रीढ़ माना जाता है, प्राकृतिक खेती पर एक बड़े सम्मेलन की मेजबानी कर रहा था। जैसा कि हम सब जानते हैं, प्राकृतिक खेती भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और आधुनिक पारिस्थितिकीय सिद्धांतों से प्रेरित है, ताकि कृत्रिम रसायनों के इस्तेमाल के बिना फसलें उगाई जा सकें। यह प्रणाली अलग तरह के खेतों को बढ़ावा देती है, जिनमें पेड़-पौधे और जानवर एक साथ रहते हैं, ताकि प्राकृतिक जैव-विविधता को मदद मिल सके। यह तरीका कृषि अपशिष्ट को रीसाइकिल करने और मल्चिंग व एरेशन (खर-पतवार की परत से खुली मिट्टी को ढकने व छोटे-छोटे छेदों के जरिये जड़ों तक हवा-पानी पहुंचाने की विधि) के जरिये मिट्टी की सेहत को बेहतर बनाने पर आधारित है। कोयंबटूर का वह सम्मेलन हमेशा मेरी यादों का हिस्सा रहेगा! इसने मुझे बताया कि हमारे किसानों की सोच में, उनकी कल्पनाओं में और उनके आत्मविश्वास में जबर्दस्त बदलाव आया है और इनकी सहायता से हमारे किसान और कृषि उद्यमी खेती-किसानी का भविष्य संवार रहे हैं। इस सम्मेलन में तमिलनाडु के किसानों के साथ बातचीत करने का मौका भी मिला। प्राकृतिक खेती के लिए वे जैसी कोशिशें कर रहे हैं, उनको सुनकर मैं हैरान रह गया! इसमें अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग, जिनमें कृषि विज्ञानी, कृषि उत्पादक संगठन के नेता, पहली पीढ़ी के ग्रेजुएट, पारंपरिक किसान और कई ऐसे खास लोग शामिल थे, जिन्होंने कॉरपोरेट जगत के ऊंचे वेतन वाली नौकरियां छोड़कर अपनी जड़ों की ओर लौटने व प्राकृतिक खेती करने का फैसला किया है। इस सम्मेलन में मैं ऐसे-ऐसे लोगों से मिला, जिनकी जिंदगी का सफर और कुछ नया करने का जज्बा देखने लायक था।

जिन कृषि उद्यमियों से मैं मिला, उनमें एक बायो-टेक्नोलॉजी पेशेवर भी थे। उन्होंने समुद्री शैवाल पर आधारित बायो-फर्टिलाइजर कंपनी शुरू की है, जिसमें तटीय जिलों के 600 मछुआरों को काम मिला है; दूसरे उद्यमी ने पोषक तत्वों से भरपूर बायोएक्टिव बायोचर बनाया है, जो मिट्टी की सेहत को बेहतर बनाता है। इन दोनों ने दिखाया कि 'साइंस' और 'सस्टेनेबिलिटी' कैसे आसानी से मिल सकते हैं।

कोयंबटूर के इस सम्मेलन में मैं जिन लोगों से मिला, वे सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि के थे, लेकिन उन सबमें एक बात समान थी और वह थी, मिट्टी की सेहत, निरंतरता, सामुदायिक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और काम करने की गहरी भावना।

पिछले कुछ दशकों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर बढ़ती निर्भरता ने मिट्टी की उपजाऊ शक्ति, नमी और लंबे समय तक कायम रहने वाली उसकी निरंतरता पर असर डाला है। साथ ही, खेती की लागत भी लगातार बढ़ी है। प्राकृतिक खेती इन सभी चुनौतियों का समाधान करती है। पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत और मल्चिंग का इस्तेमाल मिट्टी की सेहत की रक्षा करता है, रसायनों के असर को कम करता है और लागत को कम करता है, साथ ही जलवायु परिवर्तन व बदलते मौसम के पैटर्न के विरुद्ध यह ताकत भी बनता है। मैंने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे 'एक एकड़, एक सीजन' से शुरुआत करें। खेत के एक छोटे से हिस्से से भी मिलने वाले नतीजे आपका आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं और इसे बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए आपको प्रेरित कर सकते हैं। जब पारंपरिक ज्ञान, वैज्ञानिक मान्यता व संस्थागत मदद साथ आ रहे हैं, तो प्राकृतिक खेती मुमकिन और परिवर्तनकारी बन सकती है। मैं आप सबसे अपील करता हूं कि आप प्राकृतिक खेती के बारे में सोचें। आप इस क्षेत्र से संबंधित स्टार्टअप के बारे में भी पता लगा सकते हैं। कोयंबटूर में किसानों, विज्ञान, उद्यमिता और सामूहिक कार्रवाई में जो तालमेल दिखा, वह वाकई प्रेरणा देने वाला था। मुझे यकीन है कि हम सब मिलकर अपनी खेती और उससे जुड़े क्षेत्रों को उत्पादक और टिकाऊ बनाते रहेंगे। अगर आप प्राकृतिक खेती पर काम करने वाली किसी टीम को जानते हैं, तो मुझे भी जरूर बताएं! (लेखक प्रधानमंत्री, भारत हैं)।

ये आकाशवाणी का उज्जैन केन्द्र है... मैं डॉ. मोहन यादव बोल रहा हूँ

प्रो. मनोज कुमार

ये आकाशवाणी का उज्जैन केन्द्र है... मैं डॉ. मोहन यादव बोल रहा हूँ.. यह उद्घोषणा सुनने में रूटीन सा लगता है लेकिन मध्यप्रदेश के लिए यह आवाज अहम है. जब देश भर में भारत सरकार आकाशवाणी केन्द्रों को समेट रही है तब उज्जैन में आकाशवाणी केन्द्र का आरंभ होना एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिना जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों का सुपरिणाम है कि उज्जैन में आकाशवाणी केन्द्र को ना केवल मंजूरी मिली बल्कि अल्प समय में इसका प्रसारण शुरू हो गया. पूर्ववर्ती सरकारों से तुलना करें तो मध्यप्रदेश के कई आकाशवाणी केन्द्रों का आकार सीमित कर दिया गया है या बंद कर दिया गया है लेकिन इस पर कोई पहल नहीं की गई, तब मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल ऐतिहासिक माना जाएगा. लगभग एक सप्ताह पश्चात जब डॉ. मोहन यादव के दो वर्ष के कार्यकाल की समीक्षा की जाएगी कि इन दो साल में प्रदेश की क्या उपलब्धि रही या क्या खोया तब ऐसे अनछुए कार्य उनके खाते में गिने जाएंगे. सामाजिक समरसता के साथ सामाजिक सद्भाव के साथ नवाचार के लिए मोहन सरकार ने स्वयं को रेखांकित किया है. कई मिथकों को तोड़ते हुए अनेक नए आयाम छूने की कोशिश में डॉ. मोहन यादव आगे निकल गए हैं.

13 दिसम्बर, 2023 को जब डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो राजनीतिक विश्लेषकों के साथ स्वयं डॉ. यादव चौंक गए थे. वे कहते हैं कि उन्होंने कभी भी ऐसी बड़ी जवाबदारी के लिए खुद को तैयार नहीं किया था और ना ही उनकी अपेक्षा थी लेकिन जो कुछ होता है, वह भाग्य में लिखा होता है और इसे मंजूर भी करना पड़ता है. इसके बाद वे कहते हैं कि इससे आगे इस जिम्मेदारी के भरोसे को जितना सबसे बड़ी चुनौती होती है. बेशक, जैसी कामयाबी की उम्मीद उनसे हो, वह पूरी ना हो पायी हो लेकिन किसी भी मोर्चे पर वे असफल नहीं दिखते हैं. अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री की तरह उनके काम करने का तरीका और सोच अलग था. वे परम्परागत सोच से बाहर नवाचार पर जोर देते रहे. आज जब पूरी दुनिया एआई के नक्शे पर है, डिजीटली दुनिया हो चुकी है तो वे अपने मध्यप्रदेश को भी इसी के साथ चलाने की मंशा रखते हैं. उनके कार्यकाल का संभवत- पहला प्रयोग साइबर तहसील का था. देश में पहली बार यह प्रयोग किया गया और जो जिस तहसील में है, उसके कार्य वही निपटा दिए गए. राजधानी या मुख्यालय की गणेश परिक्रमा से मुक्त कर दिया गया. यही कार्य उन्होंने संपदा-2 में किया. जमीन-जायदाद के मामले घर बैठे निपटने लगे. रजिस्ट्री से नामांकन तक की प्रक्रिया सहजता से आम आदमी का होने लगा. कुछ तकनीकी दिक्कत शुरू में आती है, सो आयी लेकिन बाद के दिनों में सहजता से आम आदमी का काम होने लगा.

रघुकुलवंश की 'प्राण जाए पर वचन ना जाए' कि भाँति उन्होंने लाडली बहनों से किया गया वायदा पूरा किया. नियत तय तारीख पर उन्हें बढ़ी हुई स्वाभिमान राशि बहनों के खाते में 1500 रुपये ट्रांसफर कर उनका भरोसा जीत लिया. विपक्ष तो उन्हें कटघरे में

कटघरे में खड़ा कर ही रहा था, अपने भी उनके खिलाफ हो चले थे लेकिन वे अपनी नियत योजनाओं को मूर्त रूप देने में लगे रहे. सबका साथ, सबका विकास के तर्ज पर उन्होंने दशकों से उदास रूठे सैकड़ों मजदूरों के जीवन में खुशी की दस्तक देने में वक्त नहीं गंवाया. हुकूमचंद कपड़ा मिल इंदौर के सैकड़ों मजदूर अपना अधिकार पाने के लिए परेशानहाल थे जिन्हें मोहन सरकार ने राहत दी. डॉ. मोहन के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रदेश के सभी मिलों का परीक्षण किया जा रहा है ताकि मजदूर परिवारों को राहत मिल सके. यह भी शायद पहली-पहली बार हो रहा है क्योंकि उनके पूर्ववर्ती सरकारों ने ऐसा कुछ नहीं किया था. किसान, महिला, पिछड़ा, आदिवासी वर्गों के लिए नित नए कल्याणकारी योजनाओं का आगाज हो रहा है. यह अतिशयोक्ति नहीं है बल्कि हकीकतबयानी है जो बीते दो वर्ष में हुआ और हो रहा है.

मध्यप्रदेश शांति का टापू कहलाता है और इस पर एक बार फिर डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मुहर लग गई है. स्मरण रहे कि उज्जैन नगर विकास के लिए अनेक धर्मस्थलों को हटाया जाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था लेकिन डॉ. मोहन यादव की सूझबूझ और समरसता के प्रयासों से यह कार्य भी सरलता से पूर्ण हो गया. यह संभवत- देश का पहला मसला रहा होगा जब बिना किसी हो-हल्ला यह काम पूर्ण हो गया. सनातनी परम्परा को एक नया आयाम देने के लिए डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के समस्त धर्मस्थलों को नवीन स्वरूप देने का प्रयास किया. इसी क्रम में मध्यप्रदेश में होने वाले प्रतिष्ठित सिंहस्थ के लिए लैंड पुलिंग एवं ममलेश्वर लोक निर्माण का प्रस्ताव सरकार ने किया था लेकिन विरोध के बाद सरकार ने पूरी सह्रदयता के साथ दोनों ही प्रस्ताव को वापस कर लिया. सरकार को घेरने के इरादे से इसे बैकफुट पर जाना कहा गया लेकिन सत्यता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सरकार का यह फैसला बेकअप देना था. वे कोई भी फैसला जनमानस के समर्थन के बिना नहीं लेते हैं और लैंड पुलिंग तथा ममलेश्वर के मामले को इसी संदर्भ में देखा और समझा जाना चाहिए. वे सीधी बात पर यकीन करते हैं और ऑन द स्पॉट फैसला लेते हैं. इसलिए उनके लिए कहा गया-नो बकवास, सीधी बात. अपराधों के खिलाफ उनका रूख निर्मम प्रशासक का है तो आम आदमी के साथ संवेदनशील होना डॉ. मोहन यादव का गुण है. दो वर्ष का कार्यकाल बहुत छोटा होता है, खासतौर पर मध्यप्रदेश जैसे बड़े भौगोलिक प्रदेश के लिए लेकिन देखा जाए तो अनेक फैसलों ने अमलीजामा पहन लिया और आने वाले समय में परिणाम देखने को मिलेगा. डॉ. मोहन यादव के लिए विपक्ष तो परेशानी का सबब है ही, अपनों का साथ भी नहीं मिल पा रहा है. बावजूद इसके महाकाल के बेटे डॉ. मोहन यादव नित नयी कामयाबी गढ़ रहे हैं. उन्होंने दशकों से स्थापित इस मिथक को चटका दिया है जिसमें कहा जाता था कि उज्जैन का राजा महाकाल है और कोई राजा उज्जैन में नहीं रूक सकता है. इस मिथक को दोहराने वाले भूल गए थे कि डॉ. मोहन यादव राजा नहीं, शासक नहीं अपितु महाकाल के बेटे हैं और महाकाल का उन पर आशीष है. नवीन मध्यप्रदेश से प्रवीण मध्यप्रदेश की ओर डॉ. मोहन सरकार की सवारी चल पड़ी है.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबंद्ध हैं)

धान खरीदी लिमिट को बढ़ाया नही गया तो शासन के समर्थन मूल्य से धान विक्रय हेतु वंचित होंगे हजारों किसान

शासन के पास धान खरीदी के लिये राशि कि कमी इसलिए धान का लिमिट सीमित : सुशील शर्मा

भाटापारा। धरती पुत्र किसानों का खरीफ सीजन का धान खरीदी राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी 15 नवम्बर से जारी हो चुका है इसी तारतम्य मे सोसायटी धान खरीदी केन्द्रो मे वास्तविक जमीनी स्थिति का पता लगाने ग्राऊण्ड रिपोर्टिंग हेतु ग्राम लेवई सोसायटी, सिंगारपुर सोसायटी, कोनी बंजर सोसायटी व निपनिया धान खरीदी केन्द्र के सोसायटीयो मे जाकर विभिन्न पहलुओं से अवगत होने को मिला जिसके कारण धरती पुत्र अन्नदाता किसानो को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय को लेकर विभिन्न प्रकार के विसंगतियो का सामना करना पड रहा है।

किसानों का धान खरीदी लिमिट बढाये जाने की मांग- ग्रामीण दौरे मे पहुंचे पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा से सोसायटी केन्द्रो मे उपस्थित किसानो ने उनसे अपनी समस्या रखते हुये धान खरीदी की लिमिट बढ़ाये जाने की मांग शासन व प्रशासन स्तर रखने कि बात कही साथ ही खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के धान खरीदी केन्द्रो धान खरीदी का लिमिट एक दिन मे अलग सोसायटी केन्द्रो मे 1000 से 9000 क्विंटल प्रतिदिन का है जबकि सोसायटी कर्मचारियों से लिये गये जानकारी के अनुसार एक दिन मे 2500 से 3000 क्विंटल धान खरीदी कि क्षमता है परंतु धान खरीदी के लिमिट सीमित होने से कर्मचारी व हमाल फस्ट हाफ के बाद खाली बैठे रहने को मजबूर हो जाते है।

धान खरीदी मे छोटे किसानों की उपेक्षा - ग्राम लेवई सोसायटी जिसमें ग्राम अकलतरा कोसमंदा कडार जरहागांव व लेवई आता है जिसके अंतर्गत ग्राम लेवई के किसान पुनीत राम देवांगन ने वर्ष 2025,26 के धान खरीदी मे किसानो कि उपेक्षा का आरोप लगाया है जिसमे उन्होंने कहा कि आफलाइन मे 30 प्रतिशत पंजीयन रखा है परंतु 4 दिनों से चक्कर काटने के बाद भी आफलाइन पंजीयन नहीं हो पा रहा है वही ग्राम लेवई के सालिकराम देवांगन ने बताया कि उनके पास छोटा मोबाईल है इस कारण आनलाईन पंजीयन नही करा पा रहे है जबकि सिंगारपुर के किसान विवेक दुबे ने बताया कि 70 प्रतिशत आनलाईन सुविधा होने के बाद 10 से 15 मिनट मे धान खरीदी का एप फुल हो जाता है व कई बार सर्वर प्राब्लम कि भी समस्या खडा हो जाता है जिसके कारण धान खरीदी केन्द्रों मे जाकर टोकन हेतु दर दर भटक रहे है सोसायटी केन्द्रो मे किसानों का दुख दर्द जानने पहुंचे पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने किसानो कि समस्या को खाद्य मंत्री व सहकारिता मंत्री के साथ कलेक्टर के समक्ष पुरजोर तरीके से आवेदन सोपकर धान खरीदी के लिमिट बढाये जाने के साथ किसानों के अन्य विभिन्न समस्याओं को रखकर उसमे अमल कराये जाने के प्रयास हेतु उपस्थित किसानो को आशवासन भी दिया। वही आफलाइन धान खरीदी मे छोटे किसानों को अधिक महत्व देने मांग शासन व प्रशासन स्तर रखने कि बात पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा द्वारा किया गया।

किसान धान लेकर जायेगा तो फोटोग्राफी व वापस जाने पर भी फोटोग्राफी- किसान पाहरीक साहू ने बताया कि इस बार के धान खरीदी केन्द्रों मे किसान धान लेकर आयेगा तो फोटोग्राफी व वापस जायेगा तो फोटोग्राफी हो रहा है इस सिस्टम मे सर्वर डाउन हो जाने से भी परेशानी दिक्कतों का सामना करना पडता है।

15 दिनो से धान खरीदी सोसायटी केन्द्र मे चक्कर काटा अंत मे मंडी मे जाकर बेचा धान : किसान प्रहलाद पटेल ग्राम सिंगारपुर सोसायटी केन्द्र अंतर्गत ग्राम गोढी के किसान प्रहलाद पटेल ने बताया कि मे अपना धान बेचने हेतु 15 दिनो से खरीफ विपणन वर्ष 2025, 26 का 8 सोसायटी का चक्कर लगाता रहा परंतु सोसायटी मे धान नही बेच पाने व मेरी माँ का आकस्मिक निधन होने व कर्ज के बोझ के कारण मजबूरी मे भाटापारा कृषि उपज मंडी मे 27 कट्टा धान बेचने को मजबूर हुये जो कि 28.35 पैसे किलो के कीमत पर बेचा।

पैसे के मजबूरी मे किसान कृषि उपज मंडी मे धान बेच रहे है तो उनके सोसायटी मे बिक्री के रेसो से काटा जा रहा है- ग्राम कोणी बंजर सोसायटी केन्द्र अंतर्गत ग्राम कोदवा के छोटा किसान चुन्नू निषाद जिसके पास खरीफ फसल का धान है वह कई दिनों से धान खरीदी केन्द्र कोणी बंजर का चक्कर काट रहा है परंतु उसे टोकन नही मिल पाया उन्होंने बताया कि वह मजबूरी मे धान कृषि उपज मंडी मे जाकर बेचता है तो आधार कार्ड व किसान किताब के जरिये सोसायटी केन्द्र मे जितना धान बाहर मंडी मे बेचा उसे काट लिये जायेगा अगर मेरे 2500 क्विंटल धान है उसमे 1000 क्विंटल धान बेच दिया तो वहां सोसायटी से माईनस करके रखेगी वही कोणी बंजर के तिजऊराम ने बताया कि मेरे पास 20 क्विंटल धान है और 18 नवम्बर से टोकन कटा है। परंतु धान खरीदी केन्द्र मे धान बेचने का नम्बर नही आया गौरतलब है कि किसानो को सोसायटी केन्द्रो से आफलाइन एवं आनलाईन टोकन लेने के बाद 15 दिन से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड रहा है। जबकि कोनी बंजर सोसायटी केन्द्र मे धान खरीदी का लिमिट 700 क्विंटल रखा गया है। विसंगति व समस्या को देखते हुये लिमिट बढाये जाने हेतु धान खरीदी प्रभारी पाटकर द्वारा खाद्य व सहकारिता विभाग को लिखित आवेदन मे 1500 क्विंटल का उल्लेख भी किया गया है वही सुशील शर्मा व पूर्व जनपद पंचायत प्रतिनिधि परमेश्वर वर्मा द्वारा इस बार किसानों के हितों कि अनदेखी का आरोप लगाया जिसके कारण धान लिमिट व टोकन कि विसंगति किसानों के साल भर के मेहनत के अर्थिक उपार्जन मे अड़चने पैदा कर रही है।

निपनिया सोसायटी धान खरीदी केन्द्र हाफ टाईम के बाद खाली बैठे रहे कर्मचारी व हमाल- वहीं निपनिया धान खरीदी केन्द्र मे जमीनी हकीकत जानने पर जाकर देखा गया तो कर्मचारी व हमाल फर्स्ट हाफ के बाद खाली बैठे थे कारण पूछे जाने पर धान खरीदी का लिमिट सीमित होने होना बताया विधायक प्रतिनिधि जितु ठाकुर ने इस बार धान खरीदी मे किसानों कि हितों कि अनदेखी का आरोप लगाया उन्होंने बताया कि सरकार चाह रही है कि किसानों का धान कि नमी फड मे आकर सूखने के बजाये उनके बयारे सूख जाये।

20 नवम्बर का टोकन का 8 दिसम्बर को धान खरीदी- निपनिया केन्द्र प्रभारी लीलाराम सेन से जानकारी लेने पर बताया गया कि 20 नवम्बर को जारी टोकन का धान खरीदी 8 दिसम्बर को हुई। वहीं उन्होंने बताया कि निपनिया सोसायटी केन्द्र मे धान का अभी उठाव नही हो पाया है डीओ कट गया है परंतु गाडी नही आया है।

धान खरीदी का लिमिट बढ़ाने मे ही किसानों का उद्धार : सुशील शर्मा

पूर्व कृषि उपज मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष मे धान खरीदी का लिमिट नही बढ़ाया जायेगा, तो हजारों किसान समर्थन मूल्य मे धान विक्रय करने से वंचित हो सकते है। उन्होने निपनिया सोसायटी केन्द का उदाहरण पेश करते हुये बताया कि सोसायटी मे 65 हजार धान खरीदी का लक्ष्य है परंतु 23 दिन गुजर जाने के बाद 1156 क्विंटल धान कि ही खरीदी लिमिट सीमित होने के कारण किया जा सका है, जबकि बचे 36 दिनों मे 54 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य बाकी है जबकि 23 तारीख तक का टोकन कटा रखा है। मोटे तौर पर जनवरी माह के 21 दिन के वर्किंग डे मे 1839 क्विंटल धान खरीदी करना जरूरी होगा जबकि वर्तमान मे वह लिमिट ही नहीं रखा गया है।

शासन के पास धान खरीदी के लिये राशि की कमी इसलिए धान का लिमिट सीमित

वही धान खरीदी मे लिमिट व टोकन विसंगति को शासन का किसानों के साथ सुनियोजित छलावा बताते हुये कहा कि शासन किसान हितेषी होने कि बडे बडे दावा करते है परंतु किसानों के साल भर के मेहनत परिश्रम के दाने दाने धान को लेने के लिये धान खरीदी लिमिट व टोकन विसंगति पर सुनियोजित छलावा किसानों के साथ किया जा रहा है अगर शासन द्वारा धान खरीदी का लिमिट नही बढ़ाया जाता है तो हजारों किसान समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु वंचित हो जायेंगे किसानों के हितों व मांगो को शासन व प्रशासन स्तर पर पुरजोर दमखम के साथ रखा जायेगा।

स्व. जीवन ठाकुर की जेल में संदिग्ध मौत: न्याय की मांग पर भानुप्रतापपुर में 'बस्तर बंद' का व्यापक असर

भानुप्रतापपुर। सर्व आदिवासी समाज के आह्वान पर समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय जीवन ठाकुर की जेल में हुई संदिग्ध मृत्यु के विरोध में मंगलवार को भानुप्रतापपुर नगर में बस्तर बंद का व्यापक और शांतिपूर्ण असर देखने को मिला। न्याय की मांग को लेकर नगर के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, बाजार और दुकानें दोपहर 2 बजे तक पूर्णतः बंद रहीं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि स्थानीय समुदाय इस संवेदनशील मुददे पर गहरा आक्रोश और एकजुटता रखता है। भानुप्रतापपुर में यह सफल बंद स्वर्गीय जीवन ठाकुर के प्रति लोगों की गहरी भावना और न्याय सुनिश्चित करने की समाज की गंभीरता को दर्शाता है। सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक इकाई भानुप्रतापपुर ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम भानुप्रतापपुर गंगाधर वाहिले को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें इस घटना को संगठित/उच्च-स्तरीय हत्या के रूप में दर्ज करने और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में अधिकारियों और राजनीतिक हस्तियों पर भू-माफिआओं से साठगाँठ और राजनीतिक हस्तक्षेप के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिसके कारण जीवन ठाकुर को कथित तौर पर निशाना बनाया गया। इस दौरान कृष्णा टेकाम, विष्णु कचलाम, रमल कोर्राम, पवन दनाप, जागेश नरेटी, रवि दुग्गा, अनूप सोनवानी, जुगल कोरेटी,अनिल कुमार, संजय , रिंकू ठाकुर, भागवत कुंजाम, राजकुमार कोरेटी, पीनू कोरेटी, विषम, विक्की, मानिक, महेंद्र, ओमकार मंडावी शैलेन्द्र कोर्राम, भावेश मांडवी, दानवीर, लंकेश, महेंद्र, सुरेश, मनीष उपस्थित रहे।

न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रहेगी

सर्व आदिवासी समाज के सदस्यों ने भानुप्रतापपुर में अपनी दृढ़ता दोहराते हुए कहा कि जब तक इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होती और जीवन ठाकुर की मृत्यु से जुड़ी सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक उनकी यह न्याय की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया और दोषी अधिकारियों पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुई, तो सर्व आदिवासी एवं ओबीसी समाज द्वारा अनिश्चितकालीन उग्र प्रदर्शन किया जायेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सरकार की होगी।

आदिवासी समाज की प्रमुख मांगें

परिवार के आवेदन के बावजूद 1 दिसंबर को जीवन ठाकुर को केन्द्रीय जेल रायपुर स्थानांतरित किया गया, लेकिन इसकी सूचना परिजनों को नहीं दी गई। अचानक अस्वस्थ होने की सूचना भी छुपाई गई। समाज ने सीधे तौर पर थाना प्रभारी, नायब तहसीलदार, जेल अधीक्षक सहित कुल 4 अधिकारियों को जीवन ठाकुर की मृत्यु के लिए प्राथमिक रूप से दोषी ठहराया है। इन पर लापरवाही, साक्ष्य छुपाने, अमानवीय आचरण और कस्टोडियल नेग्लिजेंस का आरोप है। समाज ने संपूर्ण प्रकरण की जाँच रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय न्यायिक/ दंडाधिकारी जाँच आयोग से कराने की मांग की है। मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा और एक पात्र सदस्य को तत्काल शासकीय नौकरी प्रदान करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि जीवन ठाकुर के खिलाफ वन अधिकार से संबंधित फर्जीवाड़ा का आरोप जिला स्तरीय समिति द्वारा जारी वन अधिकार पत्र को लेकर है, जबकि वन अधिकार पत्र जारी करने का अधिकार तहसीलदार को है। समाज ने इस मामले की गहन और निष्पक्ष जाँच जिला स्तर पर कराने की मांग की है।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल बलौदा बाजार प्रखंड भाटपार में हुआ संगठन विस्तार

भाटापारा। ग्राम परशवानी (मदकुद्वीप) में संगठन विस्तार के क्रम में सभी कार्यकर्ता बंधुओं की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से रामरूप दास की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महाराज ने अपने उदबोधन में कहा कि संगठन का निर्माण किसी से लड़ाई, बदला लेने या भय उत्पन्न करने के लिए नहीं, बल्कि हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार, सामाजिक समरसता एवं सकारात्मक जागरूकता लाने के लिए किया जाता है। धर्मांतरण के विरुद्ध सजग रहने गौ-वंश सेवा एवं संरक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहने जिला संयोजक केवल साहू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा वर्ग को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रचार-प्रसार, सामाजिक कार्यों और परिवार के प्रति कर्तव्यों को संतुलित रखते हुए समाज के प्रत्येक क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू समाज की रक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं का संगठित, अनुशासित और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। जिला सह-संयोजक दीपक साहू ने अपने वक्तव्य में कहा कि यदि हमारा जन्म हिंदू जीवन पद्धति में हुआ है तो इसका महत्व समझें और इसे अपना सौभाग्य मानें। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण जैसी स्थिति का होना ही नहीं चाहिए, क्योंकि जब ईश्वर ने हमें किसी अन्य धर्म में जन्म नहीं दिया तो जीवन में किसी अन्य मार्ग पर जाने का कोई कारण नहीं है। कार्यक्रम में प्रमुख नारायण यादव – जिला गौ-रक्षा प्रमुख दुबेश चक्रधारी भाटापारा प्रखंड संयोजक, ग्राम परशवानी के सरपंच, बजरंग दल के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा के छात्रावासों पर बड़ा खुलासा: एक नागरिक की शिकायत पर कलेक्टर ने करवाई ऑडिट: जोशी

दंतेवाड़ा। जिले के बचेली और किरंदुल स्थित छात्रावासों की दयनीय स्थिति को लेकर एक आम नागरिक, प्रवेश कुमार जोशी, द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए स्मरण पत्र 01.10.2025 के बाद दंतेवाड़ा जिला प्रशासन हरकत में आया है। शिकायत में निर्माण कार्य शुरू न होने और छात्रों को हो रही कठिनाइयों का जिक्र था। इस पर, दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत की पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा पूर्ण डायनैमिक कार्यशैली की सोच के तहत, एक जांच दल का गठन किया गया, जिसने जिले के एससी, एसटी और ओबीसी छात्रावासों का विस्तृत निरीक्षण कर जांच और ऑडिट रिपोर्ट तैयार की है, जिसे शिकायतकर्ता को दर्शाया भी गया है। यह रिपोर्ट देश, राज्य व जिले के शिकायत विभाग की सत्यनिष्ठा को उजागर करती है, जिसने एक आम नागरिक की शिकायत पर इतनी विस्तृत कार्रवाई की। जोशी ने कलेक्टर के प्रति विश्वास जताया है कि उनकी निगरानी में जल्द ही जिले के सभी हॉस्टल सर्वसुविधा युक्त बन जाएंगे और बच्चों को पढ़ाई व रहने के लिए एक खुशहाल व उचित वातावरण प्राप्त होगा। इसके लिए बच्चे व जिलानिवासी सदैव कृतज्ञ/आभारी रहेंगे व भविष्य में अपनी समस्याएँ निर्भीक होकर प्रशासन तक पहुंचाएंगे।

निरीक्षण रिपोर्ट के प्रमुख बिंदुः छात्रावासों की वर्तमान वस्तुस्थिति

जांच रिपोर्ट में विभिन्न छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, बजट उपयोगिता और रजिस्टर/अभिलेखों की जांच की गई है। कई छात्रावासों में तत्काल मरम्मत और प्रशासनिक सुधार की आवश्यकता पाई गई है।

पोस्ट मैट्रिक अनु.ज.जा. बालक छात्रावास किरंदुल

भवन की छत से सीपेज (पानी का रिसाव) की समस्या है। कुल 08 शौचालयों में से 05 अनुपयोगी हैं, जिनकी मरम्मत अत्यंत आवश्यक है। कैशबुक 20.02.2023 से 21.02.2023 के बाद अद्यतन संधारित नहीं है। 07.10.2025 तक कैशबुक में बचत 10,48,980/- दर्शाई गई, लेकिन अभिलेख अद्यतन न होने के कारण वास्तविक मदवार व्यय की जानकारी नहीं मिल पाई। प्रतिवर्ष प्राप्त मरम्मत राशि का व्यय नहीं किया गया है। शौचालय मरम्मत, बोर खनन (पानी की व्यवस्था हेतु), और नया किचन शेड निर्माण।

पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास किरंदुल

भवन में सीपेज, जंग लगे टीन शेड से पानी टपकना और सीलिंग क्षतिग्रस्त होने की समस्या है। शौचालय जर्जर स्थिति में हैं और मरम्मत की आवश्यकता है। नया छात्रावास भवन निर्माण कार्य काफी समय से बंद पड़ा है। कैशबुक एवं पासबुक में बचत राशि 5,21,070/- और 5,31,070/- का मिलान हो रहा है।

प्री.मै.अनु.ज.जा. बालक छात्रावास, किरंदुल

अभिलेख संधारण 22.02.2023 से अब तक कैशबुक संधारित नहीं है। बैंक पासबुक पर भी प्रविष्टियाँ अद्यतन प्रिंट नहीं हैं, जिससे शिष्यवृत्ति वितरण की जानकारी अपूर्ण है। भवन की स्थिति ठीक है, लेकिन किचन शेड निर्माण और सीसीटीवी कैमरा में सुधार की आवश्यकता है।

कन्या आश्रम, पीनाबचेली

अभिलेख संधारण 09.08.2024 से कैशबुक संधारित नहीं है। अधीक्षिका की अस्वस्थता के कारण कार्य लंबित है, लेकिन जल्द ही पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया है। दरवाजा एवं खिड़की मरम्मत, विद्युत बोर्ड मरम्मत, और 13 खराब सीसीटीवी कैमरों में सुधार की आवश्यकता है।

प्री.मै.अनु.जा. बालक छात्रावास, बचेली (सीट 80)

भवन में प्लास्टर और आंगन में फर्श लगाने की आवश्यकता है। विद्युत मरम्मत, रंगाई-पोताई, टूटे हुए प्लास्टर की मरम्मत, आंगन का फर्श और किचन शेड का सीट बदलने की आवश्यकता है।

प्री.मै.अनु.ज.जा. बालक छात्रावास, बचेली (सीट 50)

प्रशासनिक समस्या नए अधीक्षक को पुराने अधीक्षक द्वारा कैशबुक/पासबुक का प्रभार नहीं दिया गया है, जिससे आगे का संधारण संभव नहीं हो सका है और अंतिम बचत राशि की जानकारी नहीं मिल पाई। स्टोर कक्ष में छत से पानी का सीपेज हो रहा है। विद्युत बोर्ड एवं स्विच मरम्मत, किचन शेड निर्माण, और संस्था के पीछे बाउंड्रीवॉल निर्माण की आवश्यकता है।

जगदलपुर के भू-माफिया भोला झा के खिलाफ आदिवासियों का मोर्चा, फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पने का आरोप

बीजापुर। बस्तर अंचल में आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जे और फर्जी खरीदी-बिक्री के खेल का एक और मामला सामने आया है।

संकनपल्ली के दर्जनों आदिवासी ग्रामीण मोदकपाल थाना पहुंचे, जहां उन्होंने जगदलपुर के कुख्यात भू-माफिया कमलदेव झा और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कमलदेव झा, भोला झा, प्रभाति झा, साकेत झा समेत कई लोगों ने अधिकारियों से सांठगांठ कर कूट-रचित दस्तावेज तैयार किए और उन दस्तावेजों के आधार पर आदिवासियों की जमीन अपने नाम करा ली। ग्रामीणों के अनुसार, इस अवैध सौदे में तत्कालीन पटवारी, तहसीलदार और उप-पंजीयक की भी भूमिका रही है, जिनकी मदद से फर्जी दस्तावेज तैयार हुए और बिना ग्रामीणों की जानकारी के संकनपल्ली की जमीनों का कब्जा बदल गया। आरोप है कि झा परिवार ने बस्तर के दंतेश्वरी वार्ड में निवास के बावजूद संकनपल्ली की भूमि पर गैरकानूनी तरीके से खरीदी-बिक्री कर पटटा भी बनवा लिया।

थाने में घंटों तक अफरा-तफरी, एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग

मोदकपाल थाने में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पीड़ितों ने सामूहिक आवेदन देकर धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज निर्माण सहित कई धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी सख्त कार्रवाई की मांग की, क्योंकि मामला सीधे तौर पर आदिवासी समाज की जमीन और अधिकारों से जुड़ा है। थाने में जमा ग्रामीणों का कहना था हमारी पुश्तैनी जमीनें हमारे ही हाथों से छीनी जा रही हैं, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

पटवारी से पता चला कि मेरी जमीन झा के नाम हो गई : पीड़ित बसवैया

संकनपल्ली निवासी बसवैया जव्वा ने बताया कि उन्हें यह जानकारी पटवारी से मिली कि उनकी पैतृक कृषि भूमि पर अचानक किसी कमलदेव झा का नाम दर्ज कर दिया गया है और नक्शा कटवाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। बसवैया कहते हैं मैंने कभी जीवन में जमीन नहीं बेची, न ही बेचने का विचार किया। फिर भी मेरी जमीन पर किसी सामान्य वर्ग के व्यक्ति का नाम चढ़ा दिया गया। हमारा परिवार सदमे में है। हमारी जमीन ही हमारा जीवन है। इसे छीन लिया गया तो हम जिएंगे कैसे, बसवैया व ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विधायक विक्रम मंडावी बोले 'बस्तर में अवैध जमीन कारोबार चिंता का विषय पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा बस्तर में लगातार आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जे और अवैध खरीदी-बिक्री चिंता जनक है। उन्होंने मांग की कि ऐसे कृत्यों को बढ़ावा देने वालों, उनकी मदद करने वाले अधिकारियों और भू-माफियाओं पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि बस्तर में जमीनों की लूट पर लगाम लग सके।

ग्रामीणों ने चेताया अगर कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे बड़ा आंदोलन

ग्रामीणों ने साफ किया कि यदि पुलिस जल्द कार्रवाई नहीं करती, तो वे जिला मुख्यालय तक पदयात्रा और प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ जमीन का मामला नहीं, बल्कि अस्तित्व और भविष्य की लड़ाई है। मोदकपाल थाने में इस मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, जनपद सदस्य मनोज अवलम, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, संकनपल्ली के सरपंच, उपसरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

किरन्दुल में की जा रहीं हैं आवारा कुत्तों का एंटी रेबीज वैक्सीनेशन

किरन्दुल। दंतेवाड़ा जिले के सभी नगरीय निकाय में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जानवरों से होने वाले संक्रमणों की रोकथाम उद्देश्य से आवारा कुत्तों का व्यापक एंटी रेबीज वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया हैं। इसी क्रम में किरंदुल में नगर पालिका और पशु चिकित्सालय विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर पालिका किरंदुल के विभिन्न वार्डों में घूम घूम कर टीम द्वारा सोमवार तक 50 कुत्तों का सफलतापूर्वक वैक्सीनेशन किया गया। साथ ही प्रतिदिन 15 से 20 आवारा कुत्तों को पकड़ने और पकड़कर उन्हें सुनसुरक्षित तरीके से उन्हें एंटी रेबीज वैक्सीनेशन लगाई जा रही हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र ने बताया कि अभियान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कुत्तों से फैलने वाले घातक बीमारियों के रोकथाम के लिए आवश्यक हैं।उन्होंने कहा कि लगातार वैक्सीनेशन से शहर में एक सुरक्षित माहौल बनाया जा सकेगा।

मन महेंद्र सिंह बबलू चावला को सिख समाज भाटापारा का अध्यक्ष चुना गया

भाटापारा। सिख समाज की बैठक में आगामी अध्यक्ष पद हेतु सर्वदलीय बैठक में मन महेंद्र सिंह बबलू चावला को सिख समाज भाटापारा का अध्यक्ष चुना गया है। उल्लेखनीय है कि मन महेंद्र सिंह चावला लंबे समय से गुरु घर से जुड़े हुए हैं। उनके पिता स्व. कल्याण सिंह चावला भी गुरु घर की सेवा बढ़ चढ कर करते थे। उनके मनो नयन पर समस्त सिख समाज के नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है।

आलीशान भवन, बदहाल उपचार: भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज भगवान भरोसे

भानुप्रतापपुर। आलीशान भवन और लाखों के सालाना खर्च के बावजूद, भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य सुविधाएँ बदहाल हैं। यह अस्पताल अपनी स्थापना के मूल उददेश्य से भटक चुका है, जहाँ मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला या राजधानी के अस्पतालों में रेफर करना एक आम बात हो गई है। चिकित्सकों और आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण क्षेत्र के ग्रामीण जान जोखिम में डालकर झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज कराने को मजबूर हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में प्रवेश करते ही अव्यवस्थाओं का अंबार दिखाई देता है। डॉक्टरों की पुरानी कमी नई सुविधाओं पर पानी फेर रही है, जिसके चलते स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों को बेहतर इलाज देने में विफल साबित हो रहा है। सुविधाओं के नाम पर प्रति माह लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद, अस्पताल छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी मरीजों को कांकेर, धमतरी या रायपुर रेफर कर रहा है। विश्वसनीय इलाज न मिलने के कारण ग्रामीण झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में फंस रहे हैं, जिससे कई बार जानलेवा हादसे भी हुए हैं।

सोनोग्राफी मशीन कबाड़ में, मरीज परेशान- क्षेत्र के लोगों को सोनोग्राफी जैसी मूलभूत जांच के लिए कांकेर या रायपुर तक दौड़ना पड़ रहा है, जबकि दो साल पहले ही इस केंद्र को जिला अस्पताल से सोनोग्राफी मशीन मिली थी। लाखों रुपये की सोनोग्राफी मशीन, जिसे दो साल पहले भानुप्रतापपुर शासकीय अस्पताल को दिया गया था, अब बिना ऑपरेटर के कबाड़ बन चुकी है। सोनोग्राफर के ट्रांसफर के बाद उसकी जगह किसी नए ऑपरेटर की नियुक्ति नहीं की गई है। सुविधा होने के बावजूद क्षेत्रवासी सोनोग्राफी के लिए राजधानी तक का सफर तय करने को मजबूर हैं।

जीवन दीप समिति निष्क्रिय, मनमानी हावी- अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए गठित जीवन दीप समिति, जिसकी अध्यक्ष स्थानीय विधायक सावित्री मंडावी हैं, पिछले एक साल से निष्क्रिय पड़ी है। नियमानुसार, समिति की बैठक हर तीन माह में होनी चाहिए, लेकिन बैठकों का आयोजन न होने से अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। इस सत्र में तीन बैठकें होने का दावा करते हुए बीपीएम प्रशांत मर्सकोले ने सफाई दी कि समिति की अध्यक्ष व विधायक को इन बैठकों में नहीं बुलाया गया। अगर समय पर जीवन दीप समिति की बैठक नहीं होगी, तो अस्पताल की समस्याएँ और कमियाँ सामने कैसे आएंगी? बीएमओ और बीपीएम पर बैठकों को संपन्न कराने की जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन नहीं हो रहा है।

समिति को सालाना 35 लाख की आय, फिर भी 'मोहताज'- जीवन दीप समिति मरीजों से ओपीडी, इंजेक्शन, रक्त जांच, एक्स-रे और अन्य सेवाओं के लिए शुल्क वसूलती है। इससे अस्पताल को प्रति माह लगभग 3 लाख और सालाना 35 लाख तक की राशि जमा होती है। इसके बावजूद, अस्पताल प्रबंधन छोटी-छोटी मूलभूत समस्याओं के लिए सरकार पर निर्भर रहता है। अस्पताल प्रबंधन इस जमा राशि का उपयोग कर अस्पताल की कई मूलभूत समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

खनन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा का अभाव- भानुप्रतापपुर और दुर्गुकोंदल में संचालित पाँच लौह अयस्क खदानें सरकार को करोड़ों का राजस्व देती हैं। माइनिंग प्लान में स्पष्ट उल्लेख है कि खदान संचालकों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए अस्पताल निर्माण और संचालन करना है। हालांकि, किसी भी माइंस संचालक ने प्रभावित गांवों के लिए अस्पताल का निर्माण नहीं किया है और न ही स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दिया है।

डायग्नोस्टिक सेंटर बना 'सफेद हाथी'- खनिज निधि से निर्मित भानुप्रतापपुर के डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थिति भी चिंताजनक है। यहाँ 100 से अधिक प्रकार की बीमारियों की जांच करने का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत में नाम मात्र की 4-5 जांचें ही हो पाती हैं, और उसमें भी अक्सर किट नहीं है या मशीन खराब है कह कर मरीजों को लौटा दिया जाता है। यह सेंटर क्षेत्रवासियों को सुविधा देने के बजाय सफेद हाथी साबित हो रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, क्षेत्र के लोगों ने स्थानीय प्रशासन और विधायक से माँग की है कि तत्काल जीवन दीप समिति की बैठक बुलाई जाए और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्थाओं को सुधारा जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

हाल्ट स्टेशनों पर टिकटिंग का डिजिटलीकरण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एम-यूटीएस के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करना शुरू किया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने और टिकटिंग प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रायपुर मंडल के देवबलोदा चरोदा पैसेंजर हाल्ट तथा बिलासपुर मंडल के नागपुर रोड पैसेंजर हाल्ट स्टेशन पर 08 दिसम्बर 2025 से मोबाइल-यूटीएस (एम-यूटीएस) प्रणाली के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करना प्रारम्भ कर दिया गया है । पूर्व में इन हाल्ट स्टेशनों पर कागज़ आधारित पूर्व-छपे टिकटों पर तारीख एवं समय की मुहर लगाकर टिकट जारी किए जाते थे । यूटीएस (एम-यूटीएस) सुविधा लागू होने से अब टिकट जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो गई है, जिससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि मैनुअल टिकटिंग से संबंधित संभावित त्रुटियों एवं हेरफेर की संभावनाएँ भी समाप्त होंगी । यह पहल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सार्वजनिक लेन-देन में 100त्न डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के सतत प्रयासों का हिस्सा है और यात्रियों को आधुनिक, तेज तथा सुरक्षित टिकटिंग सुविधा प्रदान करेगी । इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय ने मुख्य वाणिज्य निरीक्षक (मुख्यालय) श्री बिनॉय कांति सरदार को यूटीएस (एम-यूटीएस) प्रणाली को सफ्लतापूर्वक लागू कराने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्री सुविधा एवं सेवा गुणवत्ता में नवीनतम तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे भी इसी प्रकार के प्रयास जारी रखेगा ।

बिलासपुर-मडगाँव-बिलासपुर के मध्य 04 फेरे के लिए साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन

इस शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है बर्थ ।

बिलासपुर। शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफ्र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-मडगाँव-बिलासपुर के मध्य 04 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । इस गाड़ी में पर्याप्त संख्या में सीट उपलब्ध है । गाड़ी संख्या 08241बिलासपुर-मडगाँव शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 20, 27 दिसम्बर, 2025 तथा 03 एवं 10 जनवरी, 2026 को प्रत्येक शनिबार को तथा गाड़ी संख्या 08242 मडगाँव-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन मडगाँव से दिनांक 22, 29 दिसम्बर, 2025 तथा 05 एवं 12 जनवरी, 2026 को प्रत्येक सोमवार को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, गोंदिया एव नागपुर स्टेशनों में दिया गया है । इस शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 03 सामान्य, 02 स्लीपर, 02 एसी-द्वद्वद्व इकोनामी, 08 एसी-द्वद्वद्व, 01 एसी -द्वद्व तथा जनरेटर कार सहित कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध है । गाड़ी संख्या 08241बिलासपुर-मडगाँव शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 20 एवं 27 दिसम्बर, 2025 तथा 03 एवं 10 जनवरी, 2026 को प्रत्येक शनिबार को बिलासपुर से 14.45 बजे रवाना होकर भाटापारा 1540/15.42 बजे, रायपुर 16.55/17.00 बजे, दुर्ग 17.50/18.00 बजे, राजनादगाँव 18.23/18.25 बजे, गोंदिया 20.20/20.25 बजे, नागपुर 23.10/23.15 बजे, वर्धा 00.10/00.13 बजे, बड़नेरा 02.57/03.00 बजे, अकोला 04.20/04.22 बजे, मलकापुर 05.48/05.50 बजे, भुसावल 06.30/06.35 बजे, जयगाँव 06.58/07.00 बजे, मनमाड 09.10/09.15 बजे, नाशिक रोड 10.12/10.15 बजे, कल्याण 12.47/12.50 बजे, पनवेल 13.15/13.20 बजे, पेन 13.48/13.50 बजे, रोहा 14.25/14.30 बजे, मनगाँव 14.50/14.52 बजे, चिपलून 16.40/16.45 बजे, संगमेश्वर रोड 17.42/17.44 बजे, रत्नागिरी 19.00/19.05 बजे एव मडगाँव02.15 बजे पहुचेगी । इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08242 मडगाँव-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 22 एवं 29 दिसम्बर, 2025 तथा 05 एवं 12 जनवरी, 2026 को प्रत्येक सोमवार को मडगाँव 05.30 बजे, रत्नागिरी 10.40/1045 बजे, संगमेश्वर रोड 11.24 /14.25 बजे।

मुख्यमंत्री साय के वर्चुअल उपस्थिति में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सूरजपुर जिले के 4 नए मार्गों पर बस सेवा शुरू हुआ

सूरजपुर। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के वर्चुअल उपस्थिति में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के द्वितीय चरण का किया शुभारंभ। भैयाथान विकासखंड के ग्राम कुसमुसी में आयोजित इस कार्यक्रम में चार मार्गो के लिए चार बसों को कलेक्टर श्री जयवर्धन और जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उपाध्यक्ष जनपद पंचायत भैयाथान, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष गोयल, श्री ठाकुर राजवाड़े, श्री शशिकांत गर्ग, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, एसडीएम भैयाथान, जनपद सीईओ, जिला परिवहन अधिकारी योगेश भंडारी तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण बस सेवा का यह विस्तार प्रदेश के बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बसों के संचालन के साथ हुआ है, जिससे कि अब और 180 गांव सीधे बस सुविधा से जुड़ गए हैं। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आत्मीय चर्चा करते हुए बताया कि अब दूरस्थ इलाकों से ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी सहज और सुगम हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा के उन क्षेत्रों में जहां पहले बस नहीं चलती थी, वहां लोग असुरक्षित साधनों से यात्रा करते थे। अब निश्चित रूप से इस सेवा के शुरू होने से ग्रामीणों को सुरक्षित और सुलभ परिवहन उपलब्ध होगा। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी बस सेवा शुरू की जा रही है, जिससे आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 4 अक्टूबर को प्रथम चरण में 34 मार्ग में, 33 बसो के द्वारा 250 गांवों में पहली बार ग्रामीण बस सेवा पहुंचाई गई थी। कलेक्टर ने आज आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रथम चरण में 03 मार्गों में पहले ही सेवा प्रारंभ की जा चुकी है तथा द्वितीय चरण में 04 नए मार्गों पर बस सेवा प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप इस बस सेवा का उपयोग करें, जिससे उन्हें शहरी क्षेत्रों से जुड़ने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब इन रूटों पर सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों को विशेष सुविधा मिलेगी। ग्राम और शहर का जुड़ाव निश्चित रूप से ग्रामों में विकास लाएगा। गौरतलब है कि द्वितीय चरण में सूरजपुर जिले के नए बस मार्ग अंतर्गत निम्नलिखित मार्गों पर बस सेवा प्रारंभ हुई है। इसमें शामिल हैं प्रेमनगर से मंहगई (दुर्गापुर, नवापाराखुर्द, कालीपुर), भैयाथान से डुमरिया (केवरा, कुसमुसी, बंजा, शिवप्रसादनगर, भंवराही, बासापारा, डबरीपरा), सूरजपुर से कालीपुर (कुरूवां, डेडरी, समकरा, मानी, गेतरा, पोतका, कालीपुर), सूरजपुर से मंहगई (बेलटिकरी, भरतपुर, सलका, मानी, पोड़ी जोबगा) इस सेवा के शुरू होने पर ग्राम के सरपंच ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को बाजार पहुंचने, मरीजों को अस्पताल जाने, शहरों से सामान लाने ले जाने सहित अन्य बहुत सी सुविधा ग्रामवासियों को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा अंतर्गत प्रथम चरण में सूरजपुर जिले के निम्न 03 मार्ग शामिल थे। सूरजपुर से प्रतापपुर (करमपुर, कसलगिरी, पण्डरीपानी, जुडवानी, सरवादोहर, भंडारपारा, ब्रिजनगर, मंजीरा, पोड़ीपा, अखोरा), सूरजपुर से बैकुंठपुर (चंदरपुर, चम्पकनगर, मांजा, गोल्हासरई, शिवपुर, रामपुर, पसला, छिंदिया, अमहर, तरगंवा, खोड़री, खाड़ा) और ओड़गी से घुईडीह (बाड़ीटोला, किरवाही, जोगिया, बदवार, पालकेवरा, खरहरीजोर, कैलाशनगर)।

जनपद पंचायत सदस्यों को रायपुर प्रशिक्षण जाते समय हुआ हादसा—एक सदस्य गंभीर रूप से घायल, विधायक भूलन सिंह पहुँचे अस्पताल

सूरजपुर संवाददाता। रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिला सूरजपुर से जनपद पंचायत सदस्यों का दल बस से रायपुर पहुँचा। रायपुर से प्रशिक्षण स्थल निमोरा जाने के लिए तीन जनप्रतिनिधि ऑटो से रवाना हुए। ऑटो में प्रेमनगर जनपद पंचायत की सदस्य श्रीमती किरण साहू, रामानुजनगर जनपद पंचायत की सदस्य श्रीमती रामकुमारी, तथा ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर (जनपद प्रेमनगर) की सरपंच श्रीमती राजकुमारी सिंह सवार थीं। निमोरा मार्ग पर अचानक ऑटो अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराया। हादसे में जनपद सदस्य श्रीमती रामकुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल डीकेएस अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है। वहीं सरपंच राजकुमारी सिंह और जनपद सदस्य किरण साहू को भी चोटें आई हैं। दोनों को रायपुर के (वी-वाय) अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रेमनगर क्षेत्र के विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपना निर्धारित कार्यक्रम तत्काल स्थगित कर रायपुर के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने डीकेएस अस्पताल पहुँचकर गंभीर रूप से घायल श्रीमती रामकुमारी से मुलाकात की और बेहतर उपचार हेतु चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने वी-वाय अस्पताल में भर्ती दोनों जनप्रतिनिधियों की स्थिति की भी जानकारी ली और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। हादसे की खबर मिलते ही जनपद सदस्यों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,बिलासपुर मंडल में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का प्रेरणादायी आगाज

■ 08 से 14 दिसम्बर तक विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर। बेहतर और सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ सम्पूर्ण देश में प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में भी 08 से 14 दिसम्बर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विविध जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। सप्ताह के प्रथम एवं द्वितीय दिवस पर मंडल विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रमों के दौरान सभी को नियमित रूप से बिजली बचत करने की आदत विकसित करने तथा ऊर्जा उपयोग के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया, ताकि रेलवे द्वारा की गई ऊर्जा बचत राष्ट्रीय हित में योगदान दे सके। इसके साथ ही रेलवे कॉलोनियों में रैली निकालकर निवासियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया। ऊर्जा संरक्षण जागरूकता को व्यापक रूप से प्रसारित करने हेतु मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर ऊर्जा संरक्षण संबंधी बैनर एवं पोस्टर भी लगाए गए हैं। सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर यात्री उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से ऊर्जा बचत करने के सरल तरीकों की जानकारी दी जा रही है तथा यात्रियों को ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। रेल प्रशासन आम नागरिकों से भी अपील करता है कि ऊर्जा संरक्षण आज की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि देश के उज्जवल भविष्य का आधार है।

युक्तियुक्त करण से नेवरिया पारा प्राथमिक शाला में आई शिक्षा की नई रोशनी

कोरबा। जिले के विकासखंड पाली अंतर्गत ग्राम नेवरिया पारा में स्थित प्राथमिक शाला वर्ष 1974 से बच्चों को ज्ञान का दीप जला रही है। लंबे समय से यह विद्यालय एकल-शिक्षकीय विद्यालय के रूप में संचालित हो रहा था, जहाँ केवल एक शिक्षक के सहारे 25 से अधिक बच्चों की शिक्षा व्यवस्था चल रही थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा शिक्षा विभाग में स्कूलो में अतिशेष शिक्षको के युक्तिकरण हेतु दिए गए निर्देशों के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग ने युक्तिकरण की प्रक्रिया अपनाई। इस प्रक्रिया में अतिशेष शिक्षकों को विभिन्न विद्यालयों में समायोजित किया गया और इसी के अंतर्गत सहायक शिक्षक श्री विजय बहादुर सिंह को प्राथमिक शाला नेवरिया पारा में पदस्थापित किया गया। इससे विद्यालय में शिक्षकों की संख्या बढ़कर दो हो गई। प्रधानपाठिका श्रीमती रोहिणी तिवारी पहले से ही यहां पदस्थ थीं। विद्यालय की छात्राओं आकृति, हार्दिक, रूही, अलीशा, काव्य, कृतिका एवं छात्र प्रियांशु ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहले केवल एक शिक्षक के होने से पढ़ाई सीमित हो जाती थी, लेकिन अब दो शिक्षक आने से कक्षा संचालन बेहतर ढंग से हो रहा है और पढ़ाई में निरंतर सुधार हो रहा है। सहायक शिक्षक विजय बहादुर सिंह, जिन्होंने 16 जून को ज्वाइन किया था, ने बताया कि विद्यालय में बच्चे नियमित रूप से अध्ययन करते हैं और उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए वे पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।

दपूमरे महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने मोतीबाग में नव निर्मित बैडमिंटन एवं कबड्डी कोर्ट का किया उद्घाटन.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में खेल अवसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। स्पोर्ट्स एसोसिएशन, नागपुर द्वारा मोतीबाग परिसर में नव निर्मित बैडमिंटन एवं कबड्डी कोर्ट का भव्य शुभारंभ 09 दिसंबर 2025 को माननीय महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर श्री दीपक कुमार गुप्ता, मुख्यालय बिलासपुर के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल, स्पोर्ट्स एसोसिएशन प्रभारी एवं वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह के मार्गदर्शन में इन अत्याधुनिक खेल सुविधाओं का विकास संभव हो पाया है। उनके प्रयासों ने न केवल प्रशिक्षण माहौल को बेहतर बनाया है, बल्कि खिलाड़ियों एवं कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता वाली आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में नागपुर मंडल में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है और खिलाड़ियों को अधिक संगठित, सुरक्षित एवं प्रेरक वातावरण मिल रहा है। इस अवसर पर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि नव विकसित ये खेल अवसंरचना न केवल रेलवे कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, बल्कि नागपुर मंडल में एक सशक्त एवं प्रतिस्पर्धी खेल वातावरण तैयार करने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी। वहीं मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर श्री दीपक कुमार गुप्ता ने कहा कि नव-निर्मित बैडमिंटन एवं कबड्डी कोर्ट से रेलवे कर्मचारियों तथा उनके खेलप्रेमी बच्चों को लाभ मिलेगा। साथ ही आसपास के क्षेत्र के खेल प्रेमी भी इन उत्कृष्ट सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

महाप्रबंधक ने नागपुर मंडल के मोतीबाग खेल सुविधाओं म्यूज़ियम एवं वर्कशॉप का किया गया व्यापक निरीक्षण...

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने 09 दिसंबर 2025 को नागपुर मंडल के मोतीबाग परिसर में नव निर्मित बैडमिंटन एवं कबड्डी कोर्ट का उद्घाटन किया। स्पोर्ट्स एसोसिएशन, नागपुर द्वारा विकसित की गई यह नई खेल सुविधाएँ कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। उद्घाटन अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर, श्री दीपक कुमार गुप्ता तथा मुख्यालय बिलासपुर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि रेलवे में खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने की निरंतर पहल खिलाड़ियों के मनोबल और प्रदर्शन को नई ऊँचाइयाँ देगी। खेल अवसंरचना के विकास में स्पोर्ट्स एसोसिएशन प्रभारी एवं वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, श्री दिलीप सिंह के नेतृत्व और प्रयासों की सराहना की गई, जिनकी पहल से नागपुर मंडल में खेल गतिविधियों को नई दिशा मिल रही है। इसी उद्घाटन की पूर्व कड़ी में महाप्रबंधक ने मोतीबाग स्थित नैरो गेज रेलवे म्यूज़ियम का विस्तृत निरीक्षण किया। म्यूज़ियम में प्रदर्शित ऐतिहासिक धरोहरों, इंजनों तथा सहेजे गए दुर्लभ संग्रह को देखकर उन्होंने इस विरासत के संरक्षण व प्रस्तुतीकरण को और उत्कृष्ट बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मोतीबाग वर्कशॉप का निरीक्षण करते हुए तकनीकी प्रक्रियाओं, मशीनरी, सुरक्षा उपायों तथा उत्पादन क्षमता का आकलन किया और कर्मचारियों से संवाद कर कार्यस्थल से संबंधित सुझाव भी प्राप्त किए। महाप्रबंधक ने वर्कशॉप में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा रखरखाव कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण क्रम में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने संतरा मार्केट स्थित लॉबी एवं रनिंग रूम का भी जायजा लिया। उन्होंने लोको पायलट एवं गार्डों के लिए उपलब्ध विश्राम सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया और इन्हें अधिक सुदृढ़ व आधुनिक बनाने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि बेहतर रनिंग रूम सुविधाएँ ट्रेन संचालन सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह क्रू की कार्यक्षमता और आराम से सीधे जुड़ी होती हैं। निरीक्षणों के पश्चात महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर, श्री दीपक कुमार गुप्ता तथा मुख्यालय के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की, जिसमें परिचालन व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, राजस्व बढ़ोतरी, स्टेशन सुधार कार्य, मानव संसाधन प्रबंधन तथा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में महाप्रबंधक ने नागपुर मंडल में जारी सभी कार्यों में गति, गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार अपनाने के निर्देश दिए और कहा कि मंडल की तकनीकी क्षमताएँ, विरासत संसाधन तथा मानव संसाधन रेलवे सेवाओं को और अधिक उन्नत करने में मजबूत आधार प्रदान करते हैं

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा एवं ऑपरेशन उपलब्ध के तहत उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा यात्रियों की सुरक्षा, उनकी सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने तथा रेलवे टिकट प्रणाली को अवैध गतिविधियों से मुक्त रखने हेतु लगातार प्रभावी अभियान चलाए जा रहे हैं । इसी क्रम में ऑपरेशन यात्री सुरक्षा और ऑपरेशन उपलब्ध के तहत उल्लेखनीय सफ्लताएँ दर्ज की गई हैं । ऑपरेशन यात्री सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आरपीएफ़ ने महत्वपूर्ण स्टेशनों में होने वाले यात्रियों से संबंधित अपराधों का गहन विश्लेषण कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है । तीनों मंडलों में विशेष टास्क टीमों का गठन किया गया, प्रत्येक पोस्ट स्तर पर टीमें सक्रिय की गईं और सभी अपराध गुप्तचर शाखाओं को पूरी तरह एक्टिव किया गया । साथ ही रात्रिकाल में महत्वपूर्ण यात्री गाड़ियों में स्कार्टिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई । इन प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2024 में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया सहित प्रमुख स्टेशनों से यात्रियों से संबंधित अपराध करने वाले 267 आरोपियों के विरुद्ध कारवाई किया गया, वहीं वर्ष 2025 में अब तक 294 आरोपियों के विरुद्ध किया गया है । इसी प्रकार अवैध टिकट दलाली पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन उपलब्ध लगातार चलाया जा रहा है । इस अभियान के तहत तीनों मंडलों में छापेमारी कर वर्ष 2024 में 331 अवैध टिकट दलालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनके कब्जे से लगभग 1.27 करोड़ रुपये मूल्य के टिकट बरामद किए गए ।

सर्दियों में सिरदर्द से छुटकारा पाने के घरेलू नुस्खे

सर्दियों में सर्दी, खांसी, जुकाम और वायरल जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इस मौसम में सिरदर्द और सिर में भारीपन की परेशानी भी काफी बढ़ जाती है। कई बार सुबह-सुबह ही इस दर्द से बिस्तर ही नहीं छोड़ने का मन करता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कुछ लोग पेनकिलर खा लेते हैं या बाम वगैरस का इस्तेमाल करते हैं लेकिन हर बार ये आरामदायक हो ऐसा जरूरी नहीं है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय सिरदर्द से छुटकारा दिला सकता है। सबसे अच्छी बात कि इन चीजों के साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते हैं।

अदरक का काढ़ा

सर्दी के मौसम में सिरदर्द से परेशान हो गए हैं तो अदरक का काढ़ा जबरदस्त असरदार हो सकता है। इससे शरीर को गर्मी तो मिलती ही है, दर्द से राहत भी मिल जाती है। अदरक का काढ़ा पीने से शरीर की जलन भी कम होती है। इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई फायदे होते हैं। अदरक के काढ़े की बजाय अदरक वाले पानी में शहद डालकर पीने से गजब फायदा मिलता है।

कॉफी

सर्द भरे मौसम में सिरदर्द की समस्या को दूर करने के लिए गर्म चीजों का सेवन करना फायदेमंद होता है। कैफीन या किसी गर्म चीजों को लेने से स्ट्रेस कम होता है और सिरदर्द से छुटकारा मिलता है। रिसर्च के मुताबिक, कैफीन मूड के लिए अच्छा होता है। यह दिमाग को अलर्ट करने और रक्त कोशिकाएं को रिलैक्स करने का काम करता है। इससे सिरदर्द से आराम मिलता है।

गर्म तेल से मालिश

ठंडी से अगर सिरदर्द हो रहा है तो हल्के गर्म तेल से सिर की मालिश करें। इससे सिरदर्द से राहत मिलती है। सरसों का तेज ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है और मसल्स को भी आराम मिलता है। ऐसा करने से माइग्रेन से भी बचाव होता है।

योगासन

सिरदर्द की समस्या को दूर करने में कुछ योगासन काम आ सकते हैं। योग और गर्दन-कंधों की हल्की एक्सरसाइज से हेडेक से छुटकारा पा सकते हैं। एक्सपर्ट्स भी बताते हैं कि योग से सिरदर्द और तनाव को दूर भगाने में मदद मिलती है।

बॉडी को रेस्ट दें

शरीर को आराम देकर भी सिरदर्द की समस्या को दूर कर सकते हैं। सर्दियों में सिरदर्द होने पर गर्म कपड़े पहने और जितना हो सके बॉडी को आराम करने दें। क्योंकि कई बार नींद पूरी न होने पर भी सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

दिनचर्या में वास्तु के विशेष उपाय

दिसंबर में मौसम में काफी बदलाव आ जाता है, तापमान गिरते ही सर्दी परवान चढ़ने लगती है। ठंड का मौसम हमारे जीवन और परिवेश में बदलाव लेकर आता है। ऐसे में वास्तु के अनुसार घर के साथ व्यक्ति को अपने खान-पान, कपड़े, दिनचर्या में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आपकी जाने-अनजाने में की गई गलती सेहत के साथ धन-दौलत पर भी बुरा असर डाल सकती है। सर्दी में हमें सावधानी बरते हुए कुछ खास उपाय भी करना चाहिए, इससे संपन्नता आती है और स्वास्थ भी बेहतर रहता है। जानें सर्दियों में वास्तु के विशेष उपाय।

इन चीजों का दान

सर्दियों में अक्सर हम खान-पान को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। ठंड में सेहत के साथ संपन्नता चाहिए तो घी, गुड़ का सेवन अधिक से अधिक करें। गुड़ का संबंध सूर्य से है। गुड़ का सेवन और इसका दान करने से मान-सम्मान, ऐश्वर्य और बल में वृद्धि होती है। इसके अलावा इन चीजों का जरुरतमंद लोगों को दान करें। ये उपाय न सिर्फ आपको ग्रहों के दुष्प्रभाव से बचाएगा बल्कि धन-दौलत में भी वृद्धि करेगा।

अंगीठी

वैसे तो अब कड़ाके की ठंड में लोग घरों में हीटर का इस्तेमाल करते हैं लेकिन जिन घरों में आज भी ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाई जाती है वह दिशा का जरुर ध्यान रखें। अंगीठी को हमेशा वायव्य कोण या अग्निकोण में ही जलाना चाहिए। ऐसा न करने से अंगीठी से जुड़ा वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है और परिवार को जन-धन से जुड़ी हानि झेलनी पड़ जाती है।

गुग्गल की धूप

हिंदू धर्म में घर की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिए गुग्गल धूप जलाने का विधान रहा है. ठंड के कारण सूर्य का प्रकाश कम हो जाता है ऐसे में घरों में अंधेरा छाया होता है. अंधेरे के कारण नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है, जिससे परिवार में क्लेश होना, मानसिक तनाव, बीमारियों का डेरा आदि समस्याएं आने लगती है. ऐसे में सर्दियों के मौसम में सप्ताह में दो बार गुग्गुल को उबले पर रखकर इसकी धूप पूरे घर में दें. इससे नेगेटिव एनर्जी का नाश होता है.

पर्दों का रखें ध्यान

ठंड से बचने के लिए लोग दरवाजों या खिड़की पर मोटे पर्दे लगा देते है लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे धूप घर में नहीं आती। घर में धूप के आने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इसका ध्यान रखें।

बच्चों को मोबाइल पर वीडियो देखने की पड़ गई है आदत?

स्मार्टफोन को इस्तेमाल हमारे आसपास इतना बढ़ गया है कि बड़ों को तो छोड़ दीजिए नन्हें हाथों में भी अब मोबाइल दिखाई देते हैं। छोटे बच्चें मोबाइल पर कॉर्टून के साथ ऑनलाइन गेमिंग का लुफ्त उठाते हैं, लेकिन ये मजा बच्चों के लिए बड़ी सजा बनकर उभर रहा है। आपको बता दें कि मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल कई तरीके से हानिकारक होता है, जिसमें बड़ों के साथ बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
कई स्टडी में दावा किया गया है कि अगर बच्चें ज्यादा मोबाइल इस्तेमाल करते हैं, तो उनकी आंखों की रोशनी कम हो सकती है। इसके साथ ही बच्चें चिड़चिडे. हो सकते हैं और उन्हें एंग्जायटी, डिप्रेशन और सेल्फ डाउट्स जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। इसलिए यहां हम आपके लिए बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के तरीके बताने जा रहे हैं।

इन तरीकों से कर सकते हैं फोन को दूर

फिजिकल एक्टिविटीज के लिए करें प्रोत्साहित

बच्चों को अगर मोबाइल से दूर रखना है, तो उन्हें फिजिकल एक्टिविटीज और आउटडोर गेम के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चें जितना ज्यादा घर से बाहर खेलेंगे उनका शारीरिक और मानसिक विकास उतनी ही तेजी और मजबूती के साथ होगा।

मनोरंजन के लिए चुनें कुछ और

बच्चे फोन का इस्तेमाल ज्यादातर अपने मनोरंजन के लिए ही करते हैं। अगर आप बच्चे को मनोरंजन के लिए मोबाइल देंगे तो हर समय वह टाइमपास के लिए फोन में ही लगे रहेंगे। ऐसे में टीवी, किताबें पढ़ना और स्पीकर पर गाने सुनने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

इन दिनों लोग हार्ट जुड़ी बीमारियों का बहुत ज़्यादा शिकार हो रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना। कोलेस्ट्रॉल मोम जैसा चिकना लिक्विड है जो हमारे बॉडी में पाया जाता है। हमारे शरीर में गुड और बैड कोलेस्ट्रॉल दोनों पाए जाते हैं। जहां गुड कोलेस्ट्रॉल हार्ट से जुड़ी बीमारियों से आपको बचाता है। वहीं, बैड कोलेस्ट्रॉल हमारे लिए खतरनाक हो सकता है इसके सिर्फ एक चौथाई हिस्से में ही प्रोटीन होता बाकी सारा फैट। अनहेल्दी और जंक फ़ूड खाने से हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा ज्यादा हो जाती है। यह आपकी सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं है। बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं होता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारी और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इस लेख के ज़रिए जानिये क्या हैं बैड कोलेस्ट्रॉल के लक्षण और इसे प्याज से आप कैसे कम कर सकते हैं।

प्याज को न समझें कम

ऐसे सेवन करने से मिलेंगे लाभ

ये हैं कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण

सिर में तेज दर्द होना, तेजी से सांस फूलना, सांस लेने में दिक्कत, त्वचा का पीला पड़ना, मोटापा बढ़ने लगता है, सीने में जलन होने लगती है।

स्किन पर दाग धब्बे आना यानी स्किन सोरायसिस

ऐसी कई सब्जियां हैं जिनके खाने से गुड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है और बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। प्याज उन्हीं में से एक हैं। अगर आपकी बॉडी में भी बैड कोलेस्ट्रॉल ज़्यादा बढ़ गया है तो आप अपनी डाइट में प्याज खाना शुरू कर दें। प्याज में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आसानी से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल कर सकता है। प्याज में किसी भी तरह का कोई फैट नहीं होता। इसमें फ्लेवोनोइट एंटीऑक्सिडेंट होता है जो पाचन तंत्र को ठीक तरह से कार्य करने के लिए मदद करता है। इसके साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है।गर आपको कच्चा प्याज खाना पसंद नहीं है तो इसे सलाद के तौर पर नींबू और नमक मिलाकर खाएं, जिससे टेस्ट बेहतर हो जाए।

इन परेशानियों में भी है कारगर

प्याज को गुणों की खान यूं ही नहीं कहते हैं। रोज़ाना प्याज का सेवन करने से आपका डाइजेशन दुरुस्त रहेगा, वजन कम होगा और ये डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे ब्लड शुगर लेवल कम किया जा सकेगा।

ऑफिस की सारी थकान 1 घंटे में उतर जाएगी

ऑफिस में घंटों सिटिंग जॉब करने के बाद शरीर में दर्द, अकड़न और तनाव महसूस होने लगता है। धीरे-धीरे दिमाग और शरीर दोनों बीमार फील करने लगते हैं। कई बार ये थकान काम को भी प्रभावित करती है। इसलिए वीकेंड पर एक बार मसाज जरूर करवा लें। आप एकदम फ्रेश फील करेंगे।

वीकेंड पर जरूर करवा लें मालिश, फ्रेश हो जाएगा शरीर

मालिश के फायदे

मालिश करवाने से शरीर को जितना आराम मिलता है शायद ही किसी दूसरी चीज से मिलता हो। ऑफिस की सारी थकान 1 घंटे की समाज में दूर हो जाती है। ऑफिस में घंटों बैठकर काम करने से शरीर में अकड़न, गर्दन, हाथ और कंधों में दर्द होने लगता है। लंबे समय तक ये परेशानी रहने से चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है। इससे बचने का आसान तरीका है कि वीकेंड पर खुद के शरीर के लिए थोड़ा समय जरूर निकाल लें। जो शरीर 9 घंटे तक काम करने में आपका पूरा साथ देता है। 1 घंटा उसे भी रिलेक्स करने का हक है। इसलिए छुट्टी वाले दिन शरीर की तेल से मालिश जरूर करवा लें। मालिश से सारे दर्द गायब हो जाएंगे। अगर आप नियमित रूप से मालिश करवाते हैं तो इससे सेहत को कई फायदे भी मिलते हैं।

आपको भी लगती है ज्यादा भूख

डायबिटीज को लाइफस्टाइल डिजीज कहते हैं, जो अचानस से नहीं होती है। शरीर में शुगर लेवल बॉर्डर लाइन पर पहुंचते ही डायबिटीज के लक्षण नजर आने लगते हैं। जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल बॉर्डर लाइन पर होता है उन्हें डॉक्टर्स भी अलर्ट रहने के लिए कहते हैं। इसलिए आपको लाइफस्टाइल और डाइट को लेकर बहुत ध्यान देना चाहिए। डायबिटीज होने पर शरीर में ब्लड शुगर अनियंत्रित होने लगता है जो दूसरे अंगों को प्रभावित करता है। डायबिटीज मरीज को हार्ट, लिवर और आंखों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। डायबिटीज होने पर रक्त वाहिका और तंत्रिकाएं प्रभावित होने लगती हैं। लंबे समय तक डायबिटीज होने पर किड़नी खराब होने का खतरा भी रहता है। इसलिए जरूरी है कि डायबिटीज को समय रहते कंट्रोल कर लें।

हो सकते हैं प्री डायबिटिक

डायबिटीज के लक्षण :- ज्यादा भूख लगना, थकान महसूस होना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, बार-बार टॉयलेट आना, तेजी से वजन कम होना, पैरों या हाथों में झुनझुनी।

प्री डायबिटिक मरीज इन बातों का रखें ख्याल

मीठा खाने से बचें- डायबिटीज होने या बॉर्डर लाइन पर होने से चीनी का सेवन पूरी तरह से बंद कर दें। चीनी से बनी चीजों का सेवन बिल्कुल न करें। इसकी जगह फलों, गुड़ या शहद से बनने वाली चीजें डाइट में शामिल करें। हालांकि नेचुरल शुगर भी सीमित मात्रा में ही लेनी चाहिए।

समय पर भोजन करें- प्री-डायबिटीज हों या डायबिटीज के मरीज हों, आपको डाइट और खाने का समय दोनों का ख्याल रखना चाहिए। आपको खाने और सोने के बीच कम से कम 3 घंटे का गैप रखना चाहिए। इसी तरह ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के बीच भी 3 घंटे का अंतर रखना चाहिए। इसके बीच छोटे-छोटे मील लेते रहें। बहुत लंबे समय तक भूखे रहने से बचें।

दिखना है सबसे क्लासी और डिफरेंट

ऐसे स्टाइल करें स्कर्ट

लड़कियां शॉपिंग करने की शौकीन होती हैं। ट्रेंड को फॉलो करने के चक्कर में वह कई ऐसे ड्रेसेज खरीद लेती हैं जिन्हें कई बार वह स्टाइल भी नहीं कर पाती हैं। दरअसल, बढ़ती ठंड के साथ लड़कियों के लिए एक मुसीबत भी खड़ी हो जाती है और वो है गर्म कपड़े पहनकर स्टाइलिश दिखना। यह समस्या तब आती है जब लड़कियां ठंड में स्कर्ट को स्टाइल करना चाहती हैं। आज हम आपको ऐसी कुछ स्टाइलिंग टिप्स देंगे जिससे आप सर्दियों में भी स्टाइलिश और क्लासी दिख सकती हैं। इन टिप्स की मदद से आप इस सर्दी नया लुक भी क्रिएट कर सकती हैं। आइए आपको बताते हैं उन स्टाइलिंग टिप्स के बारे में।

स्टॉकिंग्स पहनें

अगर आपको ठंड से बचाव के साथ स्टाइलिश भी दिखना है तो आप स्कर्ट के साथ गर्म वाली स्टॉकिंग्स पहन सकती हैं। आप इसे मार्केट या ऑनलाइन कहीं भी आसानी से खरीद सकती हैं। इसका कपड़ा काफी स्ट्रेचेबल होता है जिस वजह से इसे हर साइज की महिला या लड़की पहन सकती है। आपको इसके कई सारे कलर ऑप्शन भी मिल जाएंगे। आप चाहें तो अपनी स्कर्ट से मैचिंग या फिर अपनी स्किन टोन के हिसाब से मैच करके इसे पहन सकती हैं। सर्दियों में स्कर्ट पहनने का ये सबसे बेस्ट तरीका है। ये आपको स्टाइलिश लुक भी देगा साथ ही आपको ठंड से भी बचाएगा।

स्कर्ट के साथ पहनें लॉन्ग बूट्स

लॉन्ग बूट्स लड़कियों के बीच काफी पॉपुलर है। ये आजकल ट्रेंड में भी हैं, और ये आपको आसानी से किसी भी मार्केट में मिल जाएंगे। बूट्स में भी आपको अलग-अलग वैरायटी मिल जाएगी। कपड़ों के बूट्स से लेकि लेदर बूट्स तक, इनके कई ऑप्शन मार्केट में मौजूद हैं। लड़कियां अपने फैशन से कंप्रोमाइज करना बिल्कुल पसंद नहीं करती है इसलिए वह फैशन ट्रेंड के हिसाब से ही कपड़े पहनना पसंद करती हैं।

'आजादी के दीवानों' पर आधारित नृत्य नाटिका

रूचि कथक क्लासेस द्वारा वार्षिक प्रस्तुति "सुसंस्कार" का सुंदर और गरिमापूर्ण आयोजन हुआ। ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित और भारतीय जीवन बीमा निगम के सह-प्रायोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने पूरे वर्ष की साधना और प्रशिक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत नन्हीं छात्राओं द्वारा वंदना से हुई, जिसने माहौल को भक्तिपूर्ण और सकारात्मक बना दिया। इसके बाद झपताल, धमार, तराना और ग्यारह मात्राओं पर आधारित पारंपरिक कथक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर किया और सभागार तालियों से गूंजता रहा। दूसरे चरण में मंचित "आजादी के दीवानों" पर आधारित नृत्य नाटिका इस शाम का मुख्य आकर्षण बनी। इस प्रस्तुति ने स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान को अभिव्यक्ति दी, जिसे दर्शकों ने विशेष सराहना दी। यह पूरा आयोजन पंडित अनुपम राय जी की स्मृति को समर्पित था। उनकी शिष्या और प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना विदुषी रुचि शर्मा ने इस आयोजन के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में अभिनेता श्री सिद्धांत इस्सर, उनकी पत्नी सुश्री सुरभि शुक्ला इस्सर, अभिनेता विजय पंडित, लेखिका मृदुला पंडित और नृत्यांगना पायल गोगा कपूर उपस्थित रहे। अतिथियों ने कार्यक्रम को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, श्रम, ताल-लय और सौंदर्यबोध का उत्कृष्ट संगम बताया। "सुसंस्कार" केवल एक मंचीय प्रदर्शन नहीं था, बल्कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य विरासत, अनुशासन और कला के प्रति समर्पण का सजीव उत्सव बनकर उपस्थित हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मिल रही मजबूती : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने 2.97 करोड़ रुपए लागत के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के सतत और दृढ़ प्रयासों का परिणाम है कि कबीरधाम जिला शहर से लेकर गाँव तक चौमुखी विकास कर रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम कोको में 2 करोड़ 97 लाख रुपए की लागत से 4.30 किमी लंबे मोहगांव-छांटा-कोको सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह सड़क केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में आने वाले आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगी। वर्षों से सड़क संपर्क के अभाव में रहे ग्रामीणों के लिए यह निर्माण नई उम्मीद, नया अवसर और नया भविष्य लेकर आएगा। ग्रामवासियों ने सड़क निर्माण के लिए उपमुख्यमंत्री शर्मा से आग्रह किया था, जिसे उन्होंने प्राथमिकता देते हुए मंजूरी प्रदान की। भूमि पूजन के साथ ही इस बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है, जिससे पूरा क्षेत्र विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए कई घोषणाएँ भी कीं। उन्होंने हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की घोषणा करते हुए स्कूल परिसर के समतलीकरण के लिए 3.50 लाख रुपए की घोषणा की। सी सी रोड के लिए 2.60 लाख रुपए तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु मंच निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए की घोषणा की। सहकारी समिति पहुंच मार्ग के लिए सीसी रोड निर्माण, छांटा-कोको मार्ग के बीच मुरमीकरण के लिए 5 लाख रुपए, और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए साइकिल स्टैंड निर्माण की घोषणा भी की। इन सभी घोषणाओं ने साफ कर दिया कि विकास केवल सड़क तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक गतिविधियों के समग्र उन्नयन के साथ क्षेत्र एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहा है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है और यह परियोजना स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इस सड़क के बनने से मोहगांव-छांटा-कोको गांव के हजारों ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा। आवागमन में सुविधा होगी। बेहतर सड़कों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और व्यापार के नए अवसर साकार होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार गांवों में बेहतर सड़कें और सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है, ताकि हर व्यक्ति को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हर क्षेत्र, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण, विकास की मुख्यधारा से जुड़े।

महली में जमीन विवाद ने पकड़ा बवंडर : मकान ढहाया, मारपीट धमकी, एफआईआर दर्ज, राजस्व जांच में हुआ बड़ा खुलासा

कवर्धा। जिले के कुण्डा थाना क्षेत्र के ग्राम महली में जमीन व मकान निर्माण को लेकर उपजा विवाद अब बड़ा रूप ले चुका है। एक ओर जहां मकान निर्माण रोकने, दीवार गिराने और मारपीट का मामला थाने तक पहुंच गया है, वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग की जांच में भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

एफआईआर में गंभीर आरोप — दीवार ढहाई, गाली-गलौच और मारपीट

ग्राम महली निवासी सरिता गंधर्व ने थाना कुण्डा में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 3 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे बहुरा बाई गंधर्व, ज्योति गंधर्व और सुमन गंधर्व उसके मकान निर्माण स्थल पर आ धमके। शिकायत में कहा गया है कि– तुम लोग अपनी जमीन में मकान क्यों बना रहे हो' कहते हुए गाली-गलौच की गई। तीनों महिलाओं ने मिलकर निर्माणाधीन दीवार गिरा दी। मना करने पर झुमाझटकी और हाथ थप्पड़ से मारपीट की गई। परिवार के बीच-बचाव करने पर भी जान से मारने की धमकी दी गई। आवेदिका के अनुसार दीवार तोड़ने से करीब 30,000 रुपए का नुकसान हुआ है। थाना प्रभारी ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू कर दिया है ।

राजस्व जांच में बड़ा खुलासा : विवादित जमीन सरकारी, आवेदिका का कब्जा नहीं

तहसील कार्यालय में प्रस्तुत आपत्ति व स्थगन आदेश पर सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग ने मौके का पंचनामा तैयार किया। जांच में सामने आया कि– भूमि खसरा नंबर 748/2, रकबा 0.571 हेक्टेयर शासकीय आबादी भूमि है। आवेदिका बहुरा बाई 30 वर्ष से महली में निवासरत भी नहीं, बल्कि परिवार सहित मुंगेली जिले के कोना गांव में रहती है। विवादित भूमि पर अनावेदिका सरिता गंधर्व के पति प्रदीप गंधर्व का पुराने समय से कब्जा है। लगभग 357.28 वर्गमीटर पर परिवार का पुराना कच्चा-पक्का मकान, शौचालय व आंगन निर्मित पाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 41.16 वर्गमीटर पर नया निर्माण भी प्रगति पर था, जिसे शिकायत के बाद रोक दिया गया। जांच में यह भी पाया गया कि अनावेदिका द्वारा कोई अवैध निर्माण नहीं किया जा रहा था। तहसीलदार ने दस्तावेजों व प्रतिवेदन के आधार पर आवेदिका की आपत्ति को अस्वीकार करते हुए प्रकरण खारिज कर दिया।

जमीन विवाद से उठा बवाल—गांव में तनाव, पुलिस और राजस्व दोनों की नजरें

एक तरफ झगड़ा, मारपीट और धमकी की एफआईआर, दूसरी ओर राजस्व जांच का निष्कर्ष, दोनों ही पक्ष आमने-सामने हैं। इस विवाद ने गांव में तनाव का वातावरण बना दिया है। पुलिस मामले में कानूनी कार्रवाई कर रही है, वहीं राजस्व विभाग ने अपने स्तर से प्रकरण नस्तीकृत कर दिया है।

त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह में वामन अवतार के दर्शन

तीसरे दिन भक्ति भाव में डुबा वीआईपी नगर

भिलाई। रिसाली के ड्ढढ्ढक्कनगर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथावाचक पं. भूपत नारायण शुक्ला कर रहे हैं, जिनकी वाणी और व्याख्या से श्रद्धालु दिव्य भक्ति रस में डूबे हुए हैं।

कथा के तीसरे दिन पंडित भूपत नारायण शुक्ला ने भक्त प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यप की कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे अहंकार में डूबे हिरण्यकश्यप ने भगवान के प्रति समर्पित अपने ही पुत्र प्रह्लाद को कई बार मारने का प्रयास किया, लेकिन हर बार भगवान ने उसकी रक्षा की। कथा के दौरान भक्तों ने भाव-विभोर होकर प्रसंगों का श्रवण किया। इस दौरान वामन अवतार की भव्य झांकी भी निकाली गई जिससे पूरा पंडाल जय कारों से गुंजाए मान होने लगा और सभी ने भक्ति भाव से वामन अवतार का स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि पूरे सप्ताह तक कथा, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक कार्यक्रम चलते रहेंगे।

गंज चौक-कन्हारपुरी तक चौड़ीकरण, महापौर और कमिश्नर पहुंचे, लोगों से की चर्चा

कार्य को लेकर लोगों में नाराजगी भी, कई घर-दुकान आएंगे जद में

राजनांदगांव। गंज चौक से कन्हारपुरी तक चौड़ीकरण कर सड़क निर्माण किया जाना है। इसे लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा एवं लखोली क्षेत्र के पार्षदों तथा निगम के अधिकारियो के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियो से भी चर्चा की। निगम सीमा क्षेत्र के लखोली क्षेत्र में यातायात के दबाव को देखते हुए गंज चौक से कन्हारपुरी बाईपास तक सड़क चौडीकरण कर रोड निर्माण करने शासन के बजट में प्रावधान किया गया था। प्रावधान अनुसार मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत लखोली रोड निर्माण के लिए राशि रूपये 14.54 करोड स्वीकृति प्राप्त हुई। स्वीकृति पश्चात नगर निगम द्वारा चौड़ीकरण कर रोड निर्माण करने प्रक्रिया की जा रही है। प्रस्तावित रोड का महापौर श्री यादव ने निरीक्षण कर निर्माण के संबंध में अधिकारियों से चर्चा किए। महापौर श्री यादव ने कहा कि शहर विकास के लिए शासन के बजट में विभिन्न प्रावधान किए गये थे, जिसकी स्वीकृति प्राप्त हुई है। लखोली क्षेत्र में यातायात के दबाव को देखते हुए एवं सुगम आवागमन के लिए गंज चौक से कन्हारपुरी बाईपास तक सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली। जिसमें चौडीकरण कर दोनो तरफनाली तथा सड़क निर्माण किया जाना है। उन्होंने कहा कि चौडीकरण से लखोली क्षेत्र के कुछ घर एवं प्रतिष्ठान प्रभावित हो रही है, इस संबंध में उन्होंने क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर चर्चा किए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण हो जाने से आवागमन मे सुविधा होगी तथा दुर्घटना से राहत मिलेगी। प्रभावित घर एवं व्यवसाय के संबंध में उन्होंने कहा कि चौडीकरण में कम से कम नुकसान हो, इसका प्रयास किया जायेगा। महापौर ने सड़क निर्माण के संबंध में निगम द्वारा की जा रही प्रक्रिया की जानकारी ली। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि शासन स्वीकृति अनुसार 14.54 करोड रूपये से गंज चौक से कन्हारपुरी बाईपास तक सड़क चौड़ीकरण किया जाना है, जिसमे 2.5 किलो मीटर सड़क निर्माण कर दोनो तरफ नाली के साथ साथ डिवाईडर का निर्माण किया जायेगा, सड़क निर्माण के लिए सर्वे कर मार्किंग की जा रही है, टेंटर प्रक्रिया पश्चात निर्माण प्रारंभ किया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों ने महिला सशक्तिकरण को दी नई दिशा

दो वर्षों में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को लेकर किए गए कई महावपूर्ण पहल

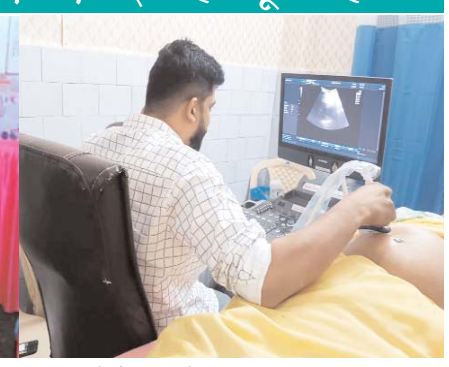

कवर्धा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा के महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर किए गए सतत प्रयासों ने कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा प्रदान की है। महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, उनके शिक्षा और रोजगार के लिए की गई पहल के साथ महतारी वंदन योजन ने महिलाओं को सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहचान बन चुकी महतारी वंदन योजना से कवर्धा विधानसभा की 1 लाख 30 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें प्रति माह 1 हजार रुपये के मान से अब तक 251 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। योजना की 21 किश्तों की राशि खाते में दी जा चुकी हैं, और कुछ दिन पहले 22 वीं किश्त भी जारी कर दी गई है। कई महिलाएं इस राशि का उपयोग अपने बच्चों के बेहतर पढ़ाई लिखाई में कर रही हैं, तो कई ने घर के अन्य खर्चों को वहन करने में किया।

409 कन्याओं का करवाया गया सामूहिक विवाह

विजय शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कवर्धा विधानसभा के 409 कन्याओं का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न कराया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री स्वयं बाराती बनकर शामिल हुए और नवयुगल दंपतियों को शुभाशीष प्रदान किया।

गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी जांच शिविर

सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे अब तक 1000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। समय पर होने वाली जांच से गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की ठीक से मॉनिटरिंग संभव हो रही है। किसी प्रकार के जटिल और गंभीर मामलों में समय पर इलाज संभव हो सकता है। यह जांच शिविर जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

स्व-रोजगार के लिए 100 से अधिक सिलाई मशीन वितरण

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कवर्धा की 100 से अधिक महिलाओं को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सिलाई मशीन वितरित किया है। ताकि वे अपना खुद का काम शुरू कर सकें। यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दृष्टि से अभिनव प्रयास है।

लखपति दीदी योजना ने महिला समूहों को दिखाई आर्थिक प्रगति की राह

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकासमूलक योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। कवर्धा विधानसभा में 6,158 स्व-सहायता समूह बनाए जा चुके हैं। आजीविका से जुड़कर यहां की 13,924 महिलाएँ अब लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं।

महतारी सदन- महिला सशक्तिकरण की नयी पहचान

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले को महतारी सदन योजना के अंतर्गत 19 महतारी सदनों की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। यह योजना राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति दूरदर्शी सोच और प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है। जिले में अब तक निर्मित 05 महतारी सदन भवनों का वर्चुअल लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा किया गया, जबकि शेष 14 महतारी सदनों का निर्माण कार्य 3 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से प्रगति पर है।

पीएमए ने मोहम्मद मजहर नदीम को बनाया छत्तीसगढ़ रीजन प्रमुख

दुर्ग। कीटनाशक प्रबंधन की सुरक्षित प्रणाली को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रव्यापी संगठन पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन (PMA) पुणे ने मोहम्मद मजहर नदीम को छत्तीसगढ़ का क्षेत्रीय प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति नदीम के कीटनाशक उद्योग में लंबे अनुभव और उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए की गई है।

पेशेवर कीटनाशक प्रबंधक (Pest Management Professional) के रूप में जाने-माने मोहम्मद मजहर नदीम ने इस महत्वपूर्ण पद पर अपनी नियुक्ति को एक नई जिम्मेदारी और संगठन द्वारा जताए गए विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने पीएमए के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। अपनी नई भूमिका के बारे में बात करते हुए नदीम ने कहा कि उनका लक्ष्य छत्तीसगढ़ में पेस्ट कंट्रोल क्षेत्र से जुड़े सभी सेवा प्रदाताओं, तकनीशियनों और उपभोक्ताओं के लिए सहयोग, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों को नए स्तर पर ले जाना है।

पीएमए के पदाधिकारियों ने आशा जताई है कि मोहम्मद मजहर नदीम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ रीजन में संगठन और उद्योग दोनों को मजबूती मिलेगी और सेवा गुणवत्ता में सुधार होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com